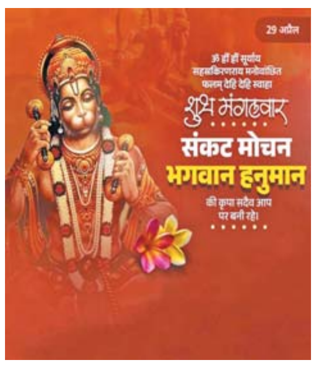

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 262/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 29 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

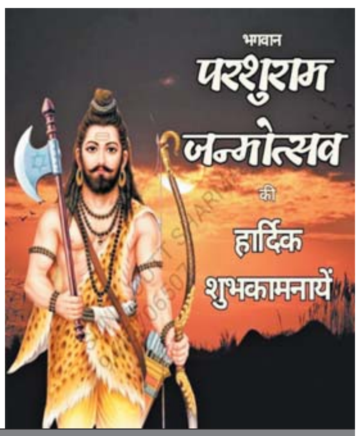

सांध्यप्रकाश विशेष

आईबी चीफ तपन डेका पहुंचे छत्तीसगढ़, नक्सल ऑपरेशन अफसरों के साथ करेंगे गुप्त बैठक

रायपुर। देश के आईबी चीफ तपन डेका मंगलवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। उनका छत्तीसगढ़ दौरा ऐसे मौके पर हुआ है, जब देश में आतंकी हमले की गूंज के बीच छत्तीसगढ़ में देश के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन की चर्चा है। बता दें कि प्रदेश के बीजापुर जिला के कुर्रेगुटा पहाड़ी पर बीते 8 दिनों से नक्सल ऑपरेशन जारी है। इस ऑपरेशन को छत्तीसगढ़ सहित तीन राज्य महाराष्ट्र और तेलंगाना के जवान नक्सलियों की घेराबंदी में डटे हुए हैं। ऑपरेशन में 10 हजार से अधिक जवान शामिल हैं। इस ऑपरेशन को लेकर राज्य और केंद्र की सरकार अलर्ट है।

भैरवनाथ की पूजा के साथ शुरू हुई मंदिर के कपाट खोलने की प्रक्रिया, बाबा की डोली धाम रवाना

केदारनाथ। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति आज अपनी चल उत्सव डोली में विराजमान होकर शीतकालीन प्रवास स्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ से अपने पवित्र धाम केदारनाथ के लिए प्रस्थान कर चुकी है। यह डोली गुप्तकाशी, फाटा और गौरीकुंड में रात्रि विश्राम करते हुए 1 मई को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। इसके बाद 2 मई को सुबह 7 बजे शुभ मुहूर्त में भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। केदारनाथ धाम, जो भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, की सुरक्षित और निर्बाध यात्रा के लिए पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान भैरवनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। भैरवनाथ को इस क्षेत्र का रक्षक माना जाता है। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। रविवार की सायं 7 बजे से ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह में भगवान केदारनाथ और भगवान ओंकारेश्वर की शीतकालीन पूजा और आरती संपन्न हुई।

सरकार ने सर्वम नाम की कंपनी को भारत का पहला स्वदेशी एआई मॉडल तैयार करने के लिए चुना

नई दिल्ली। इंडिया एआई मिशन में एक बड़ा कदम उठाते हुए सरकार नेसर्वम नाम की कंपनी को भारत का पहला स्वदेशी एआई मॉडल तैयार करने के लिए चुना है। यह कंपनी देश का पहला एलएलएम यानी कि लार्ज लेंग्वेज मॉडल बनाएगी। यह अपने आप में एक ऐसा एआई मॉडल बनाने की पहली कोशिश होगी जो भारतीय भाषाओं को समझने में माहिर हो,

रीजनिंग कर सकता हो और जिसे भारत जितने बड़े देश की जनसंख्या के लिए ऑप्टिमाइज किया गया हो। बता दें कि इसकी घोषणा खुद आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की और उन्होंने एआई मॉडल तैयार करने के लिए आए 67 प्रपोजल में से सर्वम को चुना। इस बारे में आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल तैयार करने के लिए सर्वम एआई नाम के स्टार्टअप को चुना गया है, आने वाले समय में दो से तीन और स्टार्टअप इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं। बता दें कि सर्वम एआई नाम का यह स्टार्टअप पहले ही मेटा के एलएलएएमए2-7बी पर आधारित हिंदी भाषा में काम करने वाला भाषा मॉडल तैयार किया था। इतना ही नहीं यह मॉडल हिंदी, इंग्लिश और हिंग्लिश में माहिर है और यह चैट जीपीटी 3.5 जितनी परफॉर्मेंस दे सकता है। सरकार सर्वम एआई को करीब 200 करोड़ के सीपीयू उपलब्ध कराएगी ताकि वह अपने प्रोजेक्ट को पूरा कर सकें।

मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी की जीत, खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह हारे

ओटावा। कनाडा के आम चुनाव में लिबरल पार्टी ने शानदार वापसी करते हुए सत्ता बरकरार रखी है, जबकि खालिस्तान समर्थक और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जगमीत सिंह न केवल अपनी बर्नाबी सेंट्रल सीट हार गए, बल्कि उनकी पार्टी भी महज 7 सीटों पर सिमट गई। हार के बाद सिंह ने एनडीपी नेता पद से इस्तीफा दे दिया। कनाडा के सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले 46 वर्षीय जगमीत सिंह को देश के प्रमुख नेताओं में गिना जाता था। वकालत के पेशे से राजनीति में आए सिंह पर खालिस्तान मूवमेंट को समर्थन और खालिस्तानी समर्थकों को कानूनी सहायता देने के आरोप लगते रहे हैं। भारत ने उनकी गतिविधियों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें प्रतिबंधित कर रखा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सिंह अपनी सीट पर तीसरे स्थान पर रहे, जिसके बाद उनके राजनीतिक करियर पर सवाल उठने लगे हैं। एनडीपी ने 12 सीटें जीतने का न्यूनतम लक्ष्य भी हासिल नहीं किया, जिसके चलते पार्टी ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो दिया। लिबरल पार्टी ने 166 सीटों पर जीत हासिल की है, जो 2021 के मुकाबले 9 सीटें अधिक है। कनाडा में सरकार बनाने के लिए 172 सांसदों की जरूरत होती है, इसलिए यह अभी स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी बहुमत सरकार बनाएगी या अल्पमत सरकार। इस बार जस्टिन ट्रूडो की जगह मार्क कार्नी प्रधानमंत्री बनेंगे।

पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों का वितरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले विभूतियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कार समारोह में भाग लेने की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पर पोस्ट करते हुए लिखा, नागरिक अलंकरण समारोह-ढ्ढ में भाग लिया, जहां पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी क्षेत्रों के उत्कृष्ट व्यक्तियों को उनकी सेवा और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, अपने चुने हुए क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान के माध्यम से, उन्होंने हमारे समाज के जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव लाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पद्म पुरस्कारों को फिर से परिभाषित किया है और समारोह का फोकस परिवर्तन निर्माताओं और सामाजिक नवप्रवर्तकों को सम्मानित करने पर केंद्रित किया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सम्मान उनकी यात्रा को और गति देगा और अधिक लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

25 साल में विकसित भारत बनाने का लक्ष्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भारत मंडपम में युग्म कॉन्क्लेव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। पीएम ने कहा कि हमारा मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भारत के लिए मददगार बनाना है। हमें भविष्य की हर तकनीक में भारत को दुनिया में सबसे बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। पीएम ने कहा, देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए, उन्हें तैयार करने की बड़ी भूमिका एजुकेशन सिस्टम की भी होती है। इसलिए देश में न्यू एजुकेशन पॉलिसी लाई गई है, जिसे वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वन नेशन वन डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। ये ढ्ढ आधारित है। इसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तक तैयार करने में हो रहा है।

कॉन्क्लेव में हाई लेवल मीटिंग्स और पैनल डिस्कशन होंगे

कॉन्क्लेव में हाई लेवल मीटिंग्स और पैनल डिस्कशन होंगे। इनमें सरकारी अधिकारी, प्रमुख उद्योगपति और शिक्षाविद शामिल होंगे। साथ ही कॉन्क्लेव में इनोवेशन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए करीब 1,400 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसमें सरकार और गैर-सरकारी संस्थाओं ने निवेश किया है। कॉन्क्लेव में स्पेशल स्टार्टअप्स की प्रदर्शनी भी लगेंगी इस कॉन्क्लेव में पूरे भारत से बेहतरीन डीप टेक स्टार्टअप्स के इनोवेशंस को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए यहां एक स्पेशल प्रदर्शनी भी होगी। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्किंग के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

विदेशों में हमारे कैम्पस खुल रहे हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अब विदेशों में हमारे प्रमुख संस्थानों के कैम्पस खुल रहे हैं। भारत में दुनिया के टॉप संस्थानों के कैंपस खुलने की शुरुआत हो चुकी है। टैलेंट, टेम्परामेंट और टेक्नोलॉजी ही भारत के भविष्य को ट्रांसफॉर्म करेगी। युग्म कॉन्क्लेव का मकसद इनोवेशन का एक इकोसिस्टम बनाना है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश को रिसर्च के क्षेत्र में बढ़ावा दिया जा सके। कॉन्क्लेव के जरिए गवर्नमेंट, एकेडेमिया, इंडस्ट्री और इनोवेशन क्षेत्र के प्रमुख लोगों को एक साथ लाना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बने रहेंगे

नई दिल्ली। भाजपा ने अभी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टाल दिया। इसका असर ये हुआ कि जेपी नड्डा अभी पार्टी के मुखिया बने रहेंगे। वैसे तो मई में नए अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी थी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी हालातों को देखते हुए पार्टी ने ये फैसला बदल दिया। जेपी नड्डा 2020 से बीजेपी अध्यक्ष की कमान संभाले हुए हैं। 2019 में जब अमित शाह केंद्र में गृहमंत्री बने, तब नड्डा को पार्टी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। तब से लेकर अब तक नड्डा ने बीजेपी को कई बड़े चुनावी रणों में सफलता दिलाई है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने देश की राजनीतिक प्राथमिकताओं को बदल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकियों को धरती से मिटा देने की बात कही थी।

ऐसे माहौल में बीजेपी ने संगठनात्मक चुनाव टालना जरूरी समझा, ताकि फोकस सरकार के कामकाज और राष्ट्रीय सुरक्षा पर बना रहे। बीजेपी के संविधान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सिर्फ एक चेहरा नहीं, बल्कि संगठन की रीढ़ होता है। चुनावी रणनीति बनाना, उम्मीदवारों का चयन करना, राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन करना और पार्टी के अनुशासन को संभालना ङ्क सब कुछ अध्यक्ष के हाथ में होता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए भी एक लंबी योग्यता लिस्ट है। किसी भी उम्मीदवार को कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य और चार अवधियों तक सक्रिय सदस्य रहना जरूरी है।

मोहन कैबिनेट आज लेगी कई फैसले

भोपाल। मोहन कैबिनेट आज प्रदेश के कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए तबादले पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लेगी। इसके बाद एक मई से कर्मचारियों के तबादले किए जा सकेंगे। दोपहर बाद होने वाली कैबिनेट बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्यों के सहमति से नई तबादला नीति को मंजूरी दी जाएगी। इसमें विभागीय मंत्रियों और प्रभारी मंत्रियों को तबादले के अधिकार दिए जाएंगे। इसके साथ ही कैबिनेट बैठक में सोलर एनर्जी प्लांट लगाए जाने का भी प्रस्ताव आएगा जिससे जनरेट होने वाली बिजली उत्तर प्रदेश को भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछली कैबिनेट बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिए थे कि आज होने वाली कैबिनेट में तबादला नीति का प्रस्ताव लाया जाए। आज कैबिनेट में नई तबादला नीति पर चर्चा के बाद उसे मंजूरी दी जाएगी। इस नीति में जिले के भीतर प्रभारी मंत्री को तबादले के अधिकार रहेंगे। पति-पत्नी को एक स्थान पर पदस्थ करने से लेकर गंभीर बीमारी के प्रकरणों में तबादले प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। एक जिले से दूसरे जिले में पोस्टिंग के लिए विभागीय मंत्रियों को अधिकार दिए जाएंगे।

दुनिया में दलितों के अधिकारों के लिए जितना कार्य बाबा साहब ने किया, किसी ने नहीं किया

इंदौर में भाजपा के कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव पूर्व सीएम वसुंधरा राजे कैलाश विजयवर्गीय एवं कई नेताओं ने कहा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर पहुंचे। वह बीजेपी के कार्यक्रम में शामिल होने आए है। बीजेपी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव के साथ-साथ बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालने के लिए भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी पहुंची हैं। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, इंदौर संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद है। कार्यक्रम में विजयवर्गीय बोले, आजादी के बाद जिन लोगों ने देश की बागडोर संभाली, उन्होंने केवल अपने और अपने परिवार के लिए ही देश की उपलब्धियों का श्रेय लिया। बाबा साहब को वह लोकप्रियता और सम्मान नहीं मिल पाया। उनके कार्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया गया। पूरी दुनिया में दलितों के अधिकारों के लिए जितना कार्य बाबा साहब ने किया, उतना किसी और ने नहीं किया। दुर्भाग्यवश, उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका जो उन्हें मिलना चाहिए था। ऐसे में हमारी पार्टी ने बाबा साहब सम्मान समारोह के रूप में 10 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

13 अप्रैल से शुरू हुआ था इंदौर में अभियान

बीजेपी शहर प्रवक्ता रितेश तिवारी ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान की शुरुआत 13 अप्रैल को सुबह इंदौर शहर की बाबा साहब अंबेडकर प्रतिमा स्थलों पर सफाई अभियान चला कर की गई। उसी दिन की शाम को प्रतिमा स्थलों पर सजावट और दीप प्रज्वलन किया गया। 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रतिमा स्थलों पर माल्यार्पण और संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। पखवाड़े के दौरान इंदौर नगर भाजपा संगठन के 340 शक्ति केंद्रों पर बाबा साहब अंबेडकर के जीवन चरित्र पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आल इंडिया एलआईसी ओबीसी एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन मंडल की वार्षिक आमसभा आयोजित

भोपाल। आल इंडिया एल आई सी ओबीसी एम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन मंडल यूनिट भोपाल की प्रथम वार्षिक आम सभा होटल सिग्नेटिक ब्ल्यू में सम्पन्न हुई। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रादेशिक प्रबंधक संजीव कुमार कार्यक्रम में उपस्थित हुए। भोपाल मंडल यूनिट अध्यक्ष ओमप्रकाश गावंडे ने कहा कि हमारी एसोसिएशन के शैशवकाल से आज तक के समय में हमने सभी वर्ग के अधिकार दिलाने और उत्थान के लिए कार्य किए है,जिसके परिणाम परिलक्षित हो रहे है। अब हमें ओबीसी संगठन को पूरे देश में नंबर वन बनाना है। हमारा संगठन ही एकमात्र ऐसा संगठन है जिसे एलआईसी में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। भोपाल मंडल के सचिव एस एस सोनी ने मंडलीय सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पीएस चौहान महासचिव मध्य क्षेत्र के प्रयासों की प्रशंसा रूप नारायण बाँथम जने की। सतना मंडल अध्यक्ष गंगा पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि ओबीसी के के प्रत्येक साथी को एकजुट होना अतिआवश्यक है। तब ही हम शोषण से मुक्ति पा सकते हैं।

जिला न्यायालय परिसर में अस्थाई बन्दीगृह के लिए पानी के मटके प्रदाय किए

भोपाल। म.प्र. पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक अधिवक्ता संघ ने इस भीषण गर्मी को देखते हुए जिला न्यायालय परिसर में स्थित अस्थाई बन्दीगृह में पानी के मटके प्रदाय किये, जिस से कैदियो को शीतल जल प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में म.प्र. पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक अधिवक्ता संघ के प्रदेश अध्यक्ष तुलसीराम पटेल अधिवक्ता, प्रदेश महासचिव लॉयन महेश कुमार साहू अधिवक्ता, महबूब अंसारी अधिवक्ता पूर्व स्टेट बार सदस्य, पी.सी कोठारी अधिवक्ता पूर्व जिला बार अध्यक्ष, अथहर अली अधिवक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष, हाशीम अली अधिवक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष, करण शाक्य प्रदेश सचिव, लखनलाल खाती अधिवक्ता, अंजना बनखेड़े अधिवक्ता प्रदेश सचिव, शबीस्ता कुरैशी अधिवक्ता प्रदेश सचिव, संजय सेन अधिवक्ता प्रदेश सचिव, विनोद गिरि अधिवक्ता प्रदेश सचिव, नीलू विश्वकर्मा अधिवक्ता (प्रदेश सह सचिव, अभिषेक अधिवक्ता, शाकिर भाई अधिवक्ता, लाखानी भाई अधिवक्ता नोटरी एवं अन्य अधिवक्ता साथी और जेल स्टाफ आदि उपस्थित थे।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में मोटापे की समस्या के लिए विशेष उपचार की सुविधा उपलब्ध

भोपाल। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में होने वाले मोटापे के ऊपर विशेष उपचार उपलब्ध है। यह स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है। होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ जूही गुप्ता ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है। विशेषकर कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए स्वरूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है। भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है।

केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार होम्योपैथी विधा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए उक्त स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ उपचार की सुविधा उपलब्ध है। दवाओं के अतिरिक्त दिनचर्या, आहार, प्रत्याहार मालिश, हाइड्रोथेरेपी, वाष्प स्नान के माध्यम से उक्त विशेष उपचार कार्यक्रम को स्वरूप दिया गया है। इस विशेष उक्त उपचार की अवधि व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं एवं शारीरिक स्थिति के अनुसार निर्धारित की जाती है। इसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की दवा एवं थेरेपी विशेष रूप से स्क्रिप्ट की जाएगी एवं योग के माध्यम से इन परिणामों को और प्रभावी बनाया जाएगा।वर्तमान में होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में प्रात: 8 बजे से लेकर रात्रि 8 बजे तक सभी सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध है। मोटापे को लेकर विशेष उपचार के लिए प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेषज्ञ डॉ प्रिया कुलदीप एवं दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक विशेषज्ञ डॉ ज्योति जाट की सेवाओं की उपलब्धता होगी। इस विशेष उपचार कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए मोबाइल क्रमांक 9202663862 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रथम आओ-प्रथम पाओ के आधार पर उपचार के लिए अपॉइंटमेंट दिए जाते हैं और प्रतिदिन अधिकतम 12 अपॉइंटमेंट दिए जाते हैं।

नोडल अधिकारी डॉ जूही गुप्ता ने बताया कि महिलाओं को एक विशेषज्ञ की देखरेख में विशिष्ट स्वरूप में स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने का यह अभिनव प्रयास है। साथ ही आने वाली आयु में उनको कोई और समस्याएं उत्पन्न नहीं हो, इसको सुनिश्चित करने की एक पहल है। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा ने बताया कि इस सेवा के माध्यम से विशेष रूप से महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा और आगामी वर्ष में उक्त स्वास्थ्य कल्याण केंद्र के विस्तार की जो योजना है, उसमें महिला स्वास्थ्य को समर्पित एक संपूर्ण इकाई की स्थापना की जाएगी ताकि उन्हें सभी प्रकार की सुविधा दी जा सके। साथ ही वर्तमान में यदि मोटापे के अतिरिक्त स्त्रियों को शरीर में दर्द आदि की अन्य समस्याएं हैं तो महाविद्यालय चिकित्सालय स्थित फिजियोथैरेपी इकाई में भी उनको आवश्यक उपचार दिया जाएगा।

ओंकारेश्वर में गूंजा अद्वैत और एकात्मता का स्वर

एकात्म धाम प्रकल्प के लिए संकल्पित हैं राज्य सरकार: लोधी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एकात्म धाम प्रकल्प के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। आगामी वर्षों में एकात्म धाम का निर्माण कार्य पूर्ण होगा। यह बात संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने ओंकारेश्वर में एकात्म पर्व के भव्य शुभारंभ अवसर पर कही। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि पहले चरण में जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। दूसरे चरण में जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर आधारित संग्रहालय और अद्वैत लोक का निर्माण कार्य किया जाएगा। तीसरे चरण में अद्वैत वेदांत दर्शन के अध्ययन, शोध एवं विस्तार के लिए आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना की जाएगी। यह अद्वैत वेदांत संस्थान का संदर्भ केंद्र होगा और अंतिम चरण में शंकर निलायम आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा। राज्य मंत्री श्री लोधी ने जगतगुरू श्री आदि शंकराचार्य के पावन चरणों में और पुण्यभूमि ओंकारेश्वर को नमन किया।

ओंकारेश्वर में माँ नर्मदा के पवित्र तट पर आज 5 दिवसीय एकात्म पर्व का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक अनुष्ठान और कलश यात्रा से हुई, जो पारंपरिक वाद्य यंत्रों और संकीर्तन के साथ ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और गुफा मंदिर के दर्शन के लिए पहुंची और फिर अभय घाट पर संपन्न हुई। यात्रा के समापन के बाद मांधाता पर्वत स्थित एकात्म धाम में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। समग्र दिवस में अनेक संतों का दिव्य संगम रहा, जिनमें स्वामी विवेकानंद पुरी, माँ पूर्णप्रज्ञा, स्वामी वेदत्वानंद पुरी, स्वामी योग प्रताप सरस्वती, स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती, स्वामी शैलेंद्र सरस्वती प्रमुख रहे। अद्वैतामृत सत्र की श्रृंखला में 'ओंकार' विषय पर माँ पूर्णप्रज्ञा ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि दार्शनिक सत्य की प्राप्ति के लिए गुरु की शरण अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आदि शंकराचार्य ने सुदूर दक्षिण से ओंकार पर्वत तक की कठिन यात्रा की थी। माँ पूर्णप्रज्ञा ने आगे बताया कि चित्त की आसक्ति से निवृत्ति के बिना वैराग्य संभव नहीं है। आत्मा प्रत्यक्ष है और ब्रह्म परोक्ष प्रतीत होता है, लेकिन वास्तव में आत्मा ही चैतन्य स्वरूप है — यही अद्वैत वेदांत का सार है। अद्वैत का अर्थ किसी मत का तिरस्कार नहीं, बल्कि वैचारिक मतभेदों का शमन है। ओंकार का अर्थ प्रत्येक जीव में अभिन्यता और सभी आकृतियों का परिष्कार है। मांडूक्य उपनिषद में इस गूढ़ रहस्य का सुंदर वर्णन मिलता है। ?कार में लीन होकर ही प्रणव अवस्था प्राप्त की जा सकती है, क्योंकि एक व्यक्ति के चित्त की शांति सम्पूर्ण ब्रह्मांड को प्रभावित करती है। यह दार्शनिक सत्य ही सनातन संस्कृति की मूल आत्मा है। स्वामी विवेकानंद पुरी ने कहा कि यह भूमि आद्य शंकराचार्य की गुरु भूमि है, और यहाँ उनका पुन: प्रतिष्ठित होना अत्यंत गौरव और आनंद का विषय है।

भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव

जब राष्ट्र विरोधी शक्तियां बढ़ने लग जाये, राष्ट्र के ऊपर ही कुठाराघात होने लग जाये एवं सत्ता और व्यवस्था निरकुंश होकर निर्बल लोगों को सताने लग जाये तब एक ब्राह्मण और साधु को राष्ट्र व समाज के प्रति भूमिका को भगवान परशुराम जी के जीवन में देखनी चाहिए। भगवान परशुराम जी का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि राष्ट्र रक्षा, स्वरक्षा एवं धर्म रक्षा के लिए शास्त्र और शस्त्र दोनों ही परमावश्यक हैं। हमारे जीवन में शक्ति और क्षमा दोनों होनी चाहिये। दुर्बल के लिए क्षमा और अपराधियों के लिये दण्ड देने की सामर्थ्य हमारी भुजाओं में होनी ही चाहिए। स्वयं की शांति का त्याग करके समाज में शांति और सद्भावना की स्थापना एवं आसुरी शक्तियों के दमन के लिए भगवान परशुराम ने अपने हाथों में परशु धारण किया। हमारी समस्त शक्ति का राष्ट्र हित में और समाज सेवा में लग जाना ही उसकी सार्थकता है, यही विप्र कुलभूषण भगवान परशुराम जी के जीवन से समाज को प्रमुख सीख है। आप सभी को भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव की मंगल बधाई।

भोपाल। वार्ड पांच बूडा खेड़ा गांव में श्रीराम कथा चल रही है। श्रीराम कथा में पहुंचकर अशोक मारन पार्षद वार्ड 5 आत्मारम सूर्यवंशी, मनोहर ठाकुर विष्णु मारण, सुरेश सिंगरौली ने आशीर्वाद लिया।

जहां सुमति, तहं संपति नाना, जहां कुमति तहं विपति निदाना: स्वामी भगत प्रकाश

उपनगर प्रेम प्रकाश आश्रम में स्वामी भगत प्रकाश महाराज मंडली के सत्संग का हुआ आयोजन

संत हिरदाराम नगर। श्री प्रेम प्रकाश मण्डलाध्यक्ष स्वामी भगत प्रकाश महाराज अपनी संत मंडली के साथ संत हिरदाराम नगर पहुंचे हैं जहां उनका श्रद्धालुओं द्वारा संत हिरदाराम नगर रेल्वे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद स्वामी भगत प्रकाश महाराज के द्वारा प्रेम प्रकाश कालोनी स्थित प्रेम प्रकाश आश्रम में अमृतमयी वचनों की वर्षा की गई।

जिसमें स्वामी भगत प्रकाश महाराज ने कहा कि जहाँ सुमति, तहँ संपति नाना, जहाँ कुमति तहँ विपति निदाना अर्थात सुमति के पीछे सभी सुख समाएं होते है जिस मनुष्य के पास अच्छी बुद्धी है अच्छे विचार है भले ही उसके पास धन दौलत ज्यादा ना हो भले दुनिया के साथी उनका साथ न दे फिर भी उसका बेड़ा इस संसार से सुखी सुखी पार हो जाएगा और जिसके पास धन के अंभार हो लेकिन मन के ख्याल अच्छे न हो उसको दुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि यह सतगुरू की पावन दरबार है यहाँ मांगने की चीजे तो बहुत है लेकिन अगर मांगना है तो हमें सतगुरू की पावन भक्ति मांगनी चाहिए उनकी सेवा और सिमरन मांगना चाहिए, जो भी ग्रंथ है उनका उद्देश्य है मन को समझाना, मन को भक्ति की ओर लगाना। सत्संग कार्यक्रम में कार्यक्रम के प्रवक्ता बसंत चेलानी एवं आश्रम के सेवाधारी सतीश टहिलयानी, भगवानदास वीधानी, नारायणदास लालवानी, राजकुमार झमटानी, अर्जुन बेलानी, सतीश धर्मानी, कन्हैयालाल शीतलानी, दयालदास चंगलानी, विष्णु गेहानी, हरीश मोटवानी, मोहन भूरानी, महेश प्रियानी, लक्ष्मण बेलानी, रामचंद रायचंदानी, गिरधारी झमटानी, लक्ष्मण लालवानी, कन्हैयालाल, मनोहर वासवानी, किशनचन्द तथा प्रेम प्रकाश आश्रम के सभी सेवाधारियों ने स्वामी का माला एवं फूलो से स्वागत किया गया।

नव युवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम स्कूल में समर पार्टी का हुआ आयोजन

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी शाहानी कन्या उच्चतर विद्यालय में समर पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से सहभागिता दी गई। जिसमें सजावट, फलो, पेय पदार्थो, खेल व डांस गतिविधियों को सम्मिलित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान ने विद्यार्थियों से कहा कि समर वेकेशन में किसी भी गतिविधि में शामिल होकर समय का सदुपयोग करें। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि वे अपने बच्चों को इस अवकाश में समर कैम्प में भाग दिलवाए ताकि विद्यार्थी समय का सदुपयोग करते हुए अपने हुनर को निखारे। विद्यार्थियों द्वारा समर कैंप में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया जाएगा।

नृत्य एक प्रकार का योग है जीवन का उत्सव है: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पूरे विश्व में 29 अप्रैल को मनाया जाता है। नृत्य मानवीय अभिव्यक्तियों का एक रसमय प्रदर्शन है। यह एक सार्वभौम कला है, जिसका जन्म मानव जीवन के साथ हुआ है। बालक जन्म लेते ही रोकर अपने हाथ पैर मार कर अपनी भावाभिव्यक्ति करता है कि वह भूखा है- इन्हीं आंगिक - क्रियाओं से नृत्य की उत्पत्ति हुई है। नृत्य एक जन्मजात प्रतिभा है जिसे अभिव्यक्ति की एक सर्वोत्तम विधा के रूप में जाना जाता है। हमारी प्राचीन नृत्य शैलियाँ एक अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है। ये नृत्य शैलियां हमें हमारी समृद्ध परम्पराओं से जोड़ कर रखने में सहायक हुई है। चाहे उत्साह से भरा भांगड़ा नृत्य हो, या मनमोहक बैले नृत्य, या रोमांटिक सालसा- ये सभी नृत्य अनूठे है और हमें आनन्द से विभोर कर देते हैं। चाहे आप बंद कमरे में नृत्य करें या सार्वजनिक रूप से, चाहे हिप हॉप डांस करें या टैप डांस (पैरों से ताल देते हुए), आप आनन्द से सरोबार हो जाते है और अत्यंत सुख व संतोष अनुभव करते हैं। ऐसे सभी नृत्य आनन्द प्रदायक होते है जिसमें नर्तक पूरे जोश के साथ अपना नृत्य करे और स्वयं नृत्य में आनन्द अनुभव करे। ऐसा तभी संभव है जब नर्तक का तन स्वस्थ हो और मन प्रसन्न व मुक्त हो। योग शारीरिक व्यायाम व सांस की क्रियाओं का अनूठा मिश्रण है जो शरीर को स्वस्थ व मन को शांत रखने में सहायक है। यह एक प्राचीन तकनीक है जो नर्तक को भाव भंगिमाओं की अभिव्यक्ति की कुशलता प्रदान करती है। इससे शरीर लचीला व आकर्षक बनता है तथा नर्तक के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। योग एक प्रकार का धीमी गति का नृत्य है जो शरीर को आवश्यकता के समय अधिक शक्ति व क्षमता प्रदान करता है। मनुष्य की प्रवृत्ति है, सुख और शांति की तलाश, जिसमें नृत्य-कला की महत्वपूर्ण भूमिका है। नृत्य खुशी, शांति, संस्कृति और सभ्यता को जाहिर करने की एक प्रदर्शन-कला है। खुद नाचकर या नृत्य देखकर हमारा मिजाज भी थिरक उठता है और हमारी आत्मा तक उस पर ताल देती है। नृत्य जीवन की मुस्कान और खुशियों की बौछार है। नृत्य है अपूर्व शांति प्राप्त करने का माध्यम- हमारे देश में प्राचीन समय से नृत्य की समृद्ध परम्परा चली आ रही है। नृत्य के अनेक प्रकारों में कथकली प्रमुख है, यह नृत्य 17वीं शताब्दी में केरल राज्य से आया। इस नृत्य में आकर्षक वेशभूषा, इशारों व शारीरिक थिरकन से पूरी एक कहानी को दर्शाया जाता है। इस नृत्य में कलाकार का गहरे रंग का श्रृंगार किया जाता है, जिससे उसके चेहरे की अभिव्यक्ति स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके।

बिजली चोरी के मामले में विशेष न्यायाधीश ने विद्युत अधिनियम में दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र के मुरैना जिले के अम्बाह में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम द्वारा बिजली चोरी के मामले में दोष सिद्ध होने पर आरोपी को 2 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुरैना वृत्त अंतर्गत पोरसा रोड अम्बाह में लगभग 19 वर्ष पूर्व 30 अप्रैल 2006 को कंपनी की चेकिंग टीम ने ओम शांति आईस फैक्ट्री एंड कोल्ड स्टोर में चेकिंग के दौरान अवैध रूप से एलटी लाइन से विद्युत चोरी पकड़ते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष परिवाद दायर किया गया था। परिवाद पर विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम अम्बाह जिला मुरैना श्री राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 (1) (क) के तहत दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी श्री राजकुमार सिंह चौहान को दो वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण में ओम शांति आईस फैक्ट्री मालिक श्री राजपाल सिंह तोमर फरार है। कंपनी की ओर से प्रकरण में अधिवक्ता श्री संतोष पाराशर द्वारा पैरवी की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सभी आम लोगों से आग्रह किया गया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनधिकृत या अवैध रूप से बिजली चोरी दण्डनीय अपराध है तथा इसमें जुर्माना और कारावास का भी प्रावधान है।

प्रदेश का हर कोना औद्योगिक उन्नति की धारा से जुड़े मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 में होने वाली गतिविधियों की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी विभागों और एजेंसियों को समन्वित प्रयास करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष-भर के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार सभी गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित कर हर माह इनकी प्रगति की गहन समीक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक में उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 में प्रस्तावित कार्यक्रमों और गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक आयोजन प्रदेश के संतुलित और समावेशी औद्योगिक विकास की दिशा में ठोस कदम साबित हो, ऐसे प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि सेक्टर कॉन्क्लेव जैसे प्रमुख आयोजन उन्हीं स्थलों पर आयोजित किए जाएं, जहां औद्योगिक गतिविधियां स्वाभाविक रूप से संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन केवल जिलों के मुख्यालयों तक सीमित नहीं रहें, बल्कि सुदूर अंचलों और औद्योगिक संभावना वाले क्षेत्रों में भी उनका विस्तार किया जायें, जिससे प्रदेश का हर कोना औद्योगिक उन्नति की धारा से जुड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन क्षेत्रों की ओर भी विशेष ध्यान दे, जहाँ औद्योगिक गतिविधियां अपेक्षाकृत धीमी रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में सेक्टर-केंद्रित आयोजनों और विशेष प्रयासों के माध्यम से औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की प्रक्रिया को तीव्र गति से किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सक्रिय औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग करते हुए अन्य क्षेत्रों में भी औद्योगिक वातावरण का विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को कृषकों के हित में डिजाइन किया जाए, ताकि सौर ऊर्जा उनकी आय में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलदूतों के साथ सारंगपुर में किया श्रमदान

जल गंगा संवर्धन अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजगढ़ जिले के किसानों की समृद्धि, खेती आधारित उद्योग, मिल्क प्रोसेसिंग ईकाई खोलने और फूड इंडस्ट्री पार्क स्थापित करने में राज्य सरकार अनुदान प्रदान करेगी। प्रदेश की माताएं-बहनें भी सशक्त हो रही हैं। अब लाड़ली बहनें ड्रोन दीदी और लखपति दीदी बन रही हैं। माताएं-बहनें ही भारतीय परंपरा में परिवार का आधार हैं। राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उन्हें लोकसभा और विधानसभा में भी 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। राज्य सरकार ने धार्मिक नगरों में शराबबंदी का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। भगवान कृष्ण के लीला स्थलों को दिव्य और देवस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए उज्जैन में स्थायी सिंहस्थ नगरी बसायी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सारंगपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण को समर्पित राज्य सरकार 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का उपार्जन कर रही है। गौमाता के कल्याण के लिए सरकारी गौशालाओं का अनुदान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति गाय किया गया है। जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पालिकाओं में गौशाला खोलने पर भी अनुदान दिया जाएगा। पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरुआत की गई है। इसमें गौपालकों को कम से कम 25 और अधिकतम 200 गाय पालने पर 25 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सारंगपुर के कपिलेश्वर महादेव के प्रांगण में बाबा महाकाल के मंदिर जैसी अनुभूति होती है। राजगढ़ एक अनूठा जिला है, जिसका गौरवशाली इतिहास रहा है। आधुनिक भारत के भगीरथ प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया है। राजगढ़ में कभी पलायन एक बड़ी समस्या थी, लेकिन बदलते दौर में स्थिति भी बदली है। राजगढ़ आकांजिले की श्रेणी में शामिल है। जिले में सारंगपुर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा क्षेत्र सब्जियों के साथ अनाज उत्पादन में भी आगे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम सनातन संस्कृति का आधार रहा है। लेकिन अगर कोई छेड़ेगा तो यह नया भारत घर में घुसकर मारेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम में कायरता और हत्या करने वाले आतंकियों को धरती के आखिरी छोर तक पीछा कर मार गिराने का संकल्प लिया है। हमारे सैन्य बलों ने सदैव दुश्मनों का मुकाबला कर देश का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालीसिंध नदी के तट पर स्थित कपिलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जलदूतों के साथ श्रमदान भी किया। इस महा अभियान में पानी की एक-एक बूंद सहेजने के लिए प्रदेश में प्राचीन नदियों, तालाब, पोखर और जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कार्य जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौशाला का निरीक्षण करने के बाद गौमाता की पूजा कर गौसेवा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की एवं कन्या पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, उद्यानिकी विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ड्रोन दीदी, जल निगम सहित कई स्टॉल्स और विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। राजगढ़ प्रदेश का पहला जिला है, जहां सभी थाने आईएसओ सर्टिफाइड हो चुके हैं। कार्यक्रम में राजगढ़ पुलिस के सर्टिफिकेशन और कार्यशैली पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपराधिक जीवन छोड़ने वालों के पुनर्वास कार्य के लिए पुलिस की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ जिले के लिए 112.10 करोड़ की लागत से विभिन्न 733 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इनमें जल गंगा संवर्धन अभियान के 633 कार्य शामिल हैं। यहां 590 अमृतसरोवर, 10 हजार 500 नए खेत तालाबों का निर्माण कार्य हुआ है। इसके साथ ही 5 करोड़ 70 लाख की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कन्या छात्रावास और नल जल कार्य का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सारंगपुर में भव्य पुल के निर्माण और 2 करोड़ 4 लाख की लागत से चार स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण की घोषणा की। उन्होंने 44 करोड़ की लागत से सारंगपुर को फोरलेन सिटी से जोड़ने और 38 करोड़ की लागत से एबी रोड लिंक करने का भी ऐलान किया।

ग्रामीण एकल नल-जल प्रदाय योजना की सभी बाधाओं को दूर कर शुरू कराएं: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत ग्रामीण एकल नल-जल योजना की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण एकल नल-जल योजना की सभी बाधाओं का निराकरण करते हुए तत्काल संचालन प्रारंभ कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित पंचायतों के सरपंच के साथ बैठक कर जल प्रदाय की समस्याओं को दूर करें तथा एक पखवाड़े में सभी नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर सुगम संचालन सुनिश्चित कराएं। रीवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में एकल नल-जल योजना की ग्रामवार समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने जल प्रदाय योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाइप लाइन में सुधार, पानी की उपलब्धता, विद्युत कनेक्शन आदि समस्याओं का निराकरण कराएं तथा संबंधित सरपंचों से योजना का संचालन कराएं ताकि घरों में जल प्रदाय समुचित ढंग से होने लगे। उन्होंने रीवा विधानसभा अन्तर्गत 14 ग्राम पंचायतों के 24 ग्रामों में जल प्रदाय के लिए निर्मित एकल नल-जल परियोजना के संबंधित संविदाकारों से पानी की सप्लाई की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि आवश्यक सुधार कार्य कराकर जल प्रदाय कराएं। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिवस में पुनः बैठक कर की गई कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि संबंधित सरपंचों, पीएचई के अधिकारियों तथा सचिव व ग्राम सहायक की समन्वित बैठक में जल प्रदाय की समस्याओं का निराकरण कर घर-घर पानी सप्लाई का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी राजेश पाण्डेय ने ग्राम पंचायतों में जल प्रदाय की जानकारी दी तथा आवश्यक सुझाव दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, एसडीएम अनुराग तिवारी, तहसीलदार एवं प्रभारी सीईओ रीवा जनपद शिवशंकर शुक्ला, जल निगम के अधिकारी, पीएचई के सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा संविदाकार उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल के आश्वासन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की हड़ताल समाप्त

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ हुई चर्चा के बाद उप मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर दी गयी है। स्वास्थ्य संघ के पदाधिकारियों ने हड़ताल की समाप्ति के संबंध में उप मुख्यमंत्री को पत्र भी सौंपा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 22 अप्रैल 2025 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे।संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश द्वारा उप मुख्यमंत्री शुक्ल के आश्वासन पर सहर्ष हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, प्रदेश महामंत्री भारतीय मजदूर संघ कुलदीप सिंह गुर्जर सहित संघ के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने की प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया के प्रतिनिधियों से मुलाकात

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनसे पिछले दो दशकों में पी एंड जी शिक्षा के माध्यम से किए जा रहे काम के बारे में जाना। उन्होंने अपनी विशेष कॉफी टेबल बुक - ट्वेंटी टेल्स ऑफ ट्रायम्फ की एक प्रति भी मेरे साथ साझा की, जो बच्चों, स्वयंसेवकों और व्यक्तियों की प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है, जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बदल दिया। इनमें से कई बच्चे मध्य प्रदेश से हैं, जिससे मुझे बेहद गर्व होता है। शुक्ल ने राज्य में उनके द्वारा किए जा रहे काम के लिए पी एंड जी को धन्यवाद भी दिया।

एमपीपीएससी ने दिया एक और झटका

17 साल बाद निकली फूड सेफ्टी आफिसर की भर्ती रद्द

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने हजारों उम्मीदवारों को एक बार फिर बड़ा झटका दे दिया है। आयोग ने 31 दिसंबर 2024 को एक-दो नहीं बल्कि पूरे 17 साल लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग की फूड सेफ्टी ऑफिसर (राजपत्रित 3 श्रेणी) की भर्ती निकाली थी। जिसे रद्द करने की औपचारिक सूचना सोमवार 28 अप्रैल को जारी कर दी गई। वहीं, विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि जल्द ही नई योग्यताएं तय कर आयोग को भेजा जाएगा। इसके बाद भर्ती के लिए नया नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसमें करीब दो माह का समय लग सकता है।

यह कारण बताकर किया रद्द

कार्यालय आयुक्त खाद्य सुरक्षा व नियंत्रक खाद्य व औषधि प्रशासन के पत्र 25 अप्रैल में उल्लेख किया गया है कि इस पद की शैक्षणिक अर्हता में भारत सरकार द्वारा 28 मार्च को अधिसूचना जारी कर संशोधन किया गया है इसके चलते यह भर्ती विज्ञापन रद्द करने का अनुरोध किया गया है। इसलिए यह विज्ञापन निरस्त किया जाता है। जिन उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया गया था, उनके भुगतान की राशि वापस ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। इसके लिए आयोग की साइट पर 15 मई से 30 मई तक उपलब्ध लिंक पर शुल्क वापसी के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इतने पदों के लिए थी निकली

यह भर्ती 120 पदों के लिए निकली थी इसमें 87 फीसदी कैटेगरी में 106 और 13 फीसदी कैटेगरी में 14 पद शामिल थे। अनारक्षित के लिए 28 पद, एससी के लिए 16, एसटी के लिए 28, ओबीसी के लिए 38 और ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए 10 पद थे। इसके लिए आवेदन 28 मार्च से 27 अप्रैल तक बुलाए गए थे।

इतने साल बाद क्यों निकली थी

दरअसल पद तो विभाग में रिक्त थे लेकिन इसकी भर्ती विभाग ही नहीं निकाल रहा था। एक मामले में जबलपुर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई। इसमें इन पदों के रिक्त होने से आम जन की जीवन से खिलवाड़ की बात आई। इस पर इस भर्ती को करने के लिए विभाग को फटकार लगी। क्योंकि अभी तक आधे पद ही भरे हुए हैं। इस फटकार के बाद विभाग ने सभी रिक्त पदों की जानकारी बनाकर आयोग को भेजी और अब यह भर्ती निकली है।

डिग्री को लेकर शुरू से रहा कन्फ्यूजन

इस पद के लिए शैक्षणिक अर्हता को लेकर लगातार असमंजस रहा। इसके लिए कभी कोई स्पष्टीकरण विभाग और आयोग से जारी नहीं हुआ पीएससी ने मान्य डिग्री में लिखा है कि खाद्य प्रौद्योगिकी, डेयरी, जैव प्रौद्योगिकी, तेल प्रौद्योगिक, कृषि विज्ञान, पशु चिकित्सा, जैव रासायन, सूक्ष्म विज्ञान, रसायन विज्ञान, मेडिसिन में ग्रेज्युट या पोस्टग्रेज्युट या पीएचडी होना चाहिए।

मध्यप्रदेश पहला राज्य जहां रियल टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम लागू

वन मंडलाधिकारी गुना द्वारा तैयार किया गया एआई आधारित सिस्टम

भोपाल। एआई आधारित रियल-टाइम वन अलर्ट प्रणाली को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बन गया है। प्रदेश में सक्रिय वन प्रबंधन की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। यह प्रणाली उपग्रह चित्रों, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग की मदद से कार्य करती है, जो भूमि अतिक्रमण, भूमि उपयोग परिवर्तन और वन ह्रास का पता लगाकर वन विभाग को समय पर कार्रवाई के लिये सक्षम बनाती है।

इस नवाचार की परिकल्पना वन मण्डलाधिकारी गुना श्री अक्षय राठौर द्वारा की गयी और इसे मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आईटी श्री बी.एस. अणिगेरी के नेतृत्व और संस्थागत समर्थन से क्रियान्वित किया गया। गूगल अर्थ इंजन पर आधारित यह प्रणाली बहु-कालिक उपग्रह आंकड़ों का विश्लेषण करती है और कस्टम एआई मॉडल की मदद से भूमि उपयोग परिवर्तन की पहचान करती है। हर संभावित बदलाव को मोबाइल ऐप के माध्यम से फील्ड स्टॉफ को भेजा जाता है, जिससे वे स्थल पर जाकर पुष्टि कर सके। गुना डीएफओ ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने सेटेलाइट, एआई और फील्ड फीडबैक को एक निरंतर चक्र में जोड़ा है, जो खुद को समय के साथ सुधारता है। यह प्रणाली फॉरेस्ट स्टॉफ को केवल निगरानी नहीं, बल्कि तत्काल कार्यवाही के लिये सशक्त बनाती है। अलर्ट जनरेशन और फीडबैक प्रक्रिया में प्रारंभिक अलर्ट जनरेशन में गूगल अर्थ इंजन द्वारा 3 तारीखों के उपग्रह चित्रों की तुलना, फसल, बंजर भूमि, निर्माण इत्यादि में बदलाव की पहचान करता है। साथ ही महत्वपूर्ण पिक्सल परिवर्तन के आधार पर पॉलीगन अलर्ट, फील्ड सत्यापन के अंतर्गत मोबाइल ऐप पर अलर्ट भेजना, फील्ड स्टॉफ जीपीएस टैग की गई फोटो, वाइस नोट और टिप्पणियाँ अपलोड करना एवं डेटा समृद्धि में एनडीवीआई, एसएवीआई, ईवीआई जैसे इंडेक्स और एसएआर विशेषताओं को जोड़ने से एक अलर्ट में लगभग 20+ इंडिपेंडेंट फीचर्स तैयार होते हैं। मशीन लर्निंग मॉडल सुधार के अंतर्गत फील्ड से मिले फील्ड बैक के आधार पर एआई मॉडल का पुनः प्रशिक्षण और गलत अलर्ट की संख्या में कमी के साथ सटीकता में वृद्धि होगी।

वन मण्डलाधिकारी के डैशबोर्ड के लिये लाइव निगरानी के अंतर्गत नई प्रक्रिया में और पूर्ण अलर्ट की लाइव स्थिति, बीट और फील्ड पोस्ट अनुसार विभाजन और डेट, डेंसिटी, एरिया आदि के आधार पर फिल्टर एवं फील्ड स्टॉफ की ऑन-साइट कार्रवाई के लिये मोबाइल ऐप पर अलर्ट प्राप्त होगा, छवि, जीपीएस, वॉइस सहित सर्वे डाटा सबमिट और जियो फेंसिंग और दूरी मापन के फीचर अंतर्निहित होंगे।

वन विभाग द्वारा पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में इस प्रणाली को 5 संवेदनशील वन मण्डलों में लागू किया गया है, जिनमें शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खण्डवा शामिल हैं। इन वन मण्डलों में अतिक्रमण और वृक्ष कटाई की घटनाएँ अधिक होती हैं। इस प्रणाली को राज्य स्तर पर भी लागू किया जायेगा।

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय में विवाह एवं परिवार परामर्श केंद्र का शुभारंभ

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

परमार ने कहा कि महाविद्यालय का यह अभिनव प्रयास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अभिप्रेरणा का आदर्श केंद्र बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि परिवार, राष्ट्र की प्रथम इकाई है, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र का मौलिक सृजन होता है। राष्ट्र के सांस्कृतिक सृजन में, पारिवारिक मूल्यों एवं मौलिक संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विवाह संस्कार, सनातन के 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। विवाह संस्कार के पालन एवं कुटुम्ब में सौहार्दपूर्ण समन्वय, वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता भी है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह केंद्र, पारिवारिक मूल्यों के सांस्कृतिक संवर्धन एवं संरक्षण में अपनी महती उपयोगिता सिद्ध करेगा। भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में, सोमवार को जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष डॉ. भारती कुंभारे सातनकर एवं प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित थीं। प्रकोष्ठ के माध्यम से अनुभवी मनोवैज्ञानिकों, समाजशास्त्रियों एवं मध्यस्थता करने वाले व्यवसायिक परामर्शदाताओं की परामर्श एवं काउन्सलिंग छात्राओं को उपलब्ध करायी जाएगी। प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. आलोक कुमार निगम एवं सह संयोजक डॉ. संजना शर्मा हैं। विवाह एवं परिवार के संदर्भ में छात्राओं के मध्य परामर्श सुविधा उपलब्ध कराने के लिए, केन्द्र की स्थापना करने वाला यह महाविद्यालय, प्रदेश का प्रथम शासकीय महाविद्यालय है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान परिदृश्य में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण विवाह एवं परिवार संस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जहाँ एक ओर नारी सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही है, वहीं उसे पारिवारिक समायोजन में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विवाह और परिवार जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और ये बिखरती जा रही है।

संपादकीय

सुरक्षा को मजबूत करने पहले जयचंदों को मिट्टी में मिलाएं

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सडक़ों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दापाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूंबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी।

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केन्द्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर

राकेश दुबे

पहलगाम में हुए खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया।

प्रश्न यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था।

भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं।

इस सब से पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

आखिर ! भारत देश कब ''इजराइल, अमेरिका'' बनेगा ?

राजीव खंडेलवाल

हम लोग और हमारी सरकार जहां तक ''पाकिस्तान संबंधी नीति'' का संबंध है, कुंभकरण की नींद में सोई हुई रहती है। जब देश पर नागरिकों या सैनिक बलों पर हमला होता है, नागरिक व सैनिक शहीद हो जाते हैं, तब कुंभकर्णी नींद से हम जागते हैं। तब फिर ''एक सिर के बदले दस सिर लाएंगे'' (सुषमा स्वराज का कथन) ''पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) हमारा है'', के गगनचुंबी ''नारों तक सीमित'' हो जाते हैं। विगत दिवस जिस तरह से कश्मीर के पहलगाम के बायसरन घाटी में देश के नागरिकों पर दर्दनाक और कायरतापूर्ण ''मौत का ताड़व जो रचा'' उसकी निंदा कुछ कड़क शब्दों, प्रदर्शन, जुलूस अथवा आंदोलन से या संसद में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके कि, ''पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) हमारा है'', से हमारी ''मूल समस्या का मूलभूत हल'' निकलने वाला नहीं है।

जिस प्रकार फौजदारी ''अपराध'' का ''दीवानी वाद'' से इलाज नहीं किया जा सकता है, उसी प्रकार ''प्रस्ताव'' जैसी ''दीवानी कार्रवाई'' से ''फौजदारी बीमारी'' का इलाज संभव नहीं है। अमेरिका, इजराइल में इस तरह की घटनाओं पर संबंधित राष्ट्रों ने संयुक्त राष्ट्र संघ से कोई प्रस्ताव लिये बिना, बल्कि राष्ट्र संघ के पास जाए बिना और आतंकवादियों से संबंधित देशों की सरकारों को आपत्ति दर्ज कराये या सूचना दिये बिना, सैनिक कार्रवाई कर ऐसे दुस्साहस पूर्वक बदला लेने में सफल होकर जनता को भी संतुष्ट करने में सफल रही हैं। उसे तुरंत-फुरंत विरोधी (काउंटर) (पटल) कार्रवाई आतंकवादियों को अगली ऐसे ही कार्रवाई करने से निश्चित रूप से निरूत्साहित करता है, इसमें कोई शक नहीं है।

हम भारतीयों जिनमें ''मैं'' भी शामिल हूं, का खून गर्म जरूर हुआ, परन्तु खौला नहीं? उस तरह से नहीं, जैसे इजराइल, अमेरिका के नागरिकों का आतंकवादी कार्रवाई होने पर खौला। यदि यहां पर हिन्दू-मुस्लिम की भी बात करे, जो कदापि उचित नहीं है, जब मुस्लिम् हिन्दू की तुलना में ''गरम मिजाज'' के माने जाते है, तब भारतीय मुसलमान का खून भारतीय हिन्दू से ज्यादा क्यों नहीं खौल पड़ा? विपरीत इसके जिस तरह से स्थानीय कश्मीरियों जिनमें अधिकतर मुस्लिम शामिल है, दो हजार से ज्यादा संकट के साये में आए पर्यटकों को शालीनता से शांति, धैर्यपूर्वक घटना स्थल से सफलतापूर्वक बाहर निकालकर उनका जीवन बचाया, यह एक भारतीय व मानवीय होने का प्रमाण भी है। खून से लथपथ नरसंहार की घटनाओं का विरोध ''शांतिपूर्ण तरीके'' से करने पर कोई स्थायी हल तो छोडिये ! तत्काल हल निकालना भी संभव नहीं है? हमारे देश में नक्सली घटनाओं में इससे भी ज्यादा निर्दोष नागरिक और सुरक्षा बल मारे गये है। तब भी उस तरह की राष्ट्रव्यापी प्रतिक्रिया नहीं होती है, जो होनी चाहिए। परन्तु इस घटना की राष्ट्रव्यापी प्रतिक्रिया (भले ही मूक?) अवश्य हुई है। क्योंकि इस घटना से कहीं न कहीं राष्ट्र-सम्मान, स्वाभिमान, आत्मसम्मान व देश की अखंडता की बात जुड़ी हुई है। आईपीएल क्या एक दिन के लिए भी स्थगित न किया जाना क्रिकेट प्रेमियों व क्रिकेट बोर्ड के लिए शर्मशार करने वाली बात है। क्या जनता स्वयं अटारी सीमा का बहिष्कार नहीं कर सकते थे जो सरकार को बंद करने का निर्णय लेना पड़ा।

केन्द्रीय सरकार ने तुरंत बैठक बुलाकर पांच बड़े कड़े कदम उठाने के निर्णय लिये है। यदि इसके साथ ही कड़क कठोर कार्रवाई भी धरातल पर उतार दी जाती, तब आम लोग के मन में संतुष्टि का कुछ भाव जरूर जाग्रत होता। अन्यथा बयान बाजी से लेकर कड़े कदम ''मिट्टी में मिला देगें'' के बयान ठीक वैसे ही है, जैसे बयान 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद आये थे।

सुनो सखी, मैं अब मरना चाहता हूं, मुझे तुम्हारे प्रेम से मुक्ति चाहिए

एक 'आवारा' ख़त, छूट गई या छोड़ गई प्रियतमा के नाम!

दीपक गौतम

सुनो सखी

मैं इतने वर्षों बाद तुम्हें कुछ लिख रहा हूँ। शायद इसे पढ़ते वक़्त मेरी आवाज़ तुम्हारे कानों में गूँज रही होगी। इसलिए और ज़्यादा सम्बोधन की औपचारिकता में नहीं पड़ना चाहता हूँ। हाँ, मैं तुम्हें अब भी याद करता रहता हूँ। वर्षों हो गए हैं तुम्हें निहारे हुए। इसलिये मुझे पता नहीं है कि तुम अब कैसी दिखने लगी होगी? लेकिन तुम्हारी छवि मेरी आँख के गहरे समन्दर में कैद है। जब भी यादों का सैलाब आता है, तो आँख के कोरों से बीता वक़्त बूँद-बूँद कर टपक जाता है।

हे सखी

मुझे तो ठीक-ठीक सुध भी नहीं है। बस, इतना याद है कि 10 वर्ष पहले वो 'आलिंगन' तुम्हारी मृत काया से नहीं अजर-अमर 'आत्मा' से हुआ था। मैं तो तुम्हारी रूह की मख़मली छुअन आज तक नहीं बिसरा पाया हूँ। मुझे तो कभी लगा ही नहीं कि तुम साथ नहीं हो, क्योंकि मैं तुम्हें हमेशा जीता रहता हूँ। आगे समाचार यह है कि तुम्हारे जाने के बाद वो जो प्रेम का धागा टूट गया था, उसने वहीं मेरे दिल के बगीचे में जड़ें फोड़ दी हैं। उस एक पतले रेशे ने, क्या कहूँ, कितनी रहमत बरसाई है। मुझे तो कभी-कभी लगता है कि तुम जाते-जाते कोई प्रेम का कीड़ा छोड़कर गई थी, जिसने मेरी आत्मा के इर्द-गिर्द प्रेम की महीन रेशमी चादर बुन डाली है।

ओ री सखी

मेरे मन से तुम गईं या नहीं, ये तो मैं भी नहीं जानता हूँ। लेकिन हाँ, मन की गीली ज़मीन पर तुम्हारा उगाया 'प्रेम का पौधा' मैंने सूखने नहीं दिया है। वो अब भी हरिया रहा है और फूलने लगा है। तुम्हें मालूम न हो तो किसी से भी पूछ लेना, क्योंकि मेरी बेचैन रूह की ज़मीन से अब जो भी गुजरता है, वो इश्क के 'इत्तर' से तरबतर हो जाता है। प्रेम की सुगन्ध उसके नथुनों में समा जाती है। वह तो और किसी काम का रह ही नहीं जाता है। सिवाय प्रेम के उसे कुछ सूझता ही नहीं है। अब मैं तुमसे शिकायत करूँ भी तो क्या। मेरी रूह की रहगुज़र से गुज़रने वाला हर शख़्स इश्क-मिज़ाजी छोड़कर इश्क-हक़ीक़ी में लग जाता है।

मेरी प्रिय सखी

तुम शायद समझ ही नहीं रही हो कि मैं इश्क का 'चलता-फिरता प्रेत' हो गया हूँ। शायद ये जानकर तुम्हें और खुशी होगी कि अब इस ख़ूबसूरत दुनिया को मेरी 'छुआछूत' से ख़तरा है। तुम यक़ीन करो, 'प्यार का वायरस' कोविड-19 से भी तेज फैलता है। मैं जिसे भी छू देता हूँ, वो इश्क से बीमार हो जाता है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि तुम आ जाओ। बस एक बार आ जाओ। चन्द लम्हात के लिए ही सही, लेकिन आ जाओ। मुझे इस बला से मुक्ति दे दो। ये जो 'प्रेम का कीड़ा' मेरी आत्मा को अपने महीन रेशों से बनी चादरों से दिन-ब-दिन बुनता जा रहा है। मुझे अब इसमें घुटन सी होने लगी है। मुझमें अब और खुशबुएँ लुटाने का हुनर नहीं है।

ओ री सखी

तुम आ जाओ, जितनी जल्दी हो सके आ जाना। अब देर मत करना और सुनो मैं पहले ही कह चुका हूँ कि इस पौधे को भी यहाँ से उखाड़कर ले जाओ। इसे कहीं किसी और मानुष के हृदय में रोप देना। ये प्रेम के नहीं अमरता के बीज हैं, जो तुमने मेरी मन की ज़मीन पर बोये हैं। लेकिन सखी मैं अब मरना चाहता हूँ। मुझे तुम्हारे प्रेम से मुक्ति चाहिए है। मेरा यक़ीन करो, मैं तुम्हें शीघ्र विदा दे दूँगा।

हे सखी

मैं चाहता हूँ कि तुम बस, एक बार आ जाओ। क्योंकि ये जो 'प्रेम की कली' तुमने दिल के ग़लीचे में इश्किया खंजर से गड्ढा करके रोपी थी। उसे उगाने या उजाड़ने का हुनर तो मैं तुमसे सीखना ही भूल गया हूँ। मैंने तो वर्षों से उस कली को बस अपने खून से सींचा है। शायद इसीलिए उस पर तुम्हारे होंठ से सुर्ख़ लाल रंग के गुलाब खिलते हैं। इनमें मदहोश कर देने वाली ख़ुशबू है। मैं इस तेज गुलाबी 'इत्तर' की ख़ुशबू से अब बचना चाहता हूँ।

ओ री सखी

मैं सच कहता हूँ कि अब मुझसे ये ख़ुशबू बर्दाश्त नहीं होती है। मैं चाहता हूँ कि तुम अपना बोया ये 'प्रेम-पौधा' बस, जल्द से जल्द उखाड़कर ले जाओ। इससे पहले कि ये झाड़ से किसी दरख़्त में बदल जाए, तुम आ जाओ। क्योंकि मैं अब तुम्हारे दैवीय प्रेम से मुक्ति चाहता हूँ।

प्रिय सखी

तुमने एक बार के 'आलिंगन' में मुझे देवत्त्व दे दिया है। मैं फिर मनुष्य होना चाहता हूँ। मुझे अमरता से बचा लो, मैं मनुष्य की देह धरकर ही यहाँ दुनिया में आया था। यहीं इसी मिट्टी में राख होना चाहता हूँ। मुझे प्रेम के बीज नहीं बोने हैं। न ही प्रेम की खेती-बाड़ी में कोई मुनाफ़ा है। तुम आ सको तो जल्द आ जाना, क्योंकि मैं अब ख़ुद को वापस पाना चाहता हूँ।

सखी

मेरे अन्दर से उठती इश्किया गन्ध मेरा अस्तित्त्व बनती जा रही है। कभी-कभी तो लगता है कि तन जैसा तो कुछ है ही नहीं। ये तो बस मेरी रूह का लिबास है और मैं इसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल जाऊँ। इससे पहले कि मेरी आत्मा पर पड़ी प्रेम की चादरें मैली हो जाएँ, तुम आ जाना। मैं अपनी साबुत रूह को तैयार रखूँगा, मुझे तुम्हारे दैवीय प्रेम का लबादा उतारना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रीय स्तर पर खो-खो प्रतियोगिता में यश का हुआ चयन

सांध्य प्रकाश बैतूल। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वायु स्थल आमला की कक्षा 8वीं के छात्र यश कुमार पिता शिव कुमार साहू ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर की खो-खो प्रतियोगिता में चयनित होकर आमला ब्लॉक एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। उल्लेखनीय है कि यश का चयन रीजनल स्पोर्ट्स मीट के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर हुआ। निरंतर कठिन परिश्रम और शानदार खेल कौशल के चलते यश ने प्रथम प्रयास में ही रीजनल टीम में अपनी जगह बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यश की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, शिक्षकों, विद्यालय परिवार और नगरवासियों ने प्रसन्नता कर आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने की कामना की है।

राहुल बैरागी बने मंडीदीप प्रेस क्लब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अध्यक्ष

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मंडीदीप प्रेस क्लब के तत्वावधान में दाहोद रेस्ट हाउस पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से राहुल बैरागी को मंडीदीप प्रेस क्लब के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडीदीप प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश सिंह रज्जू भैया ने की, जबकि वरिष्ठ पत्रकार एवं क्लब के संरक्षक अतीक अहमद, असलम पठान सच्चिदानंद सिंह, अश्शु खान सहित समस्त सदस्यों ने निर्णय पर सहमति जताई। बैठक में नगर मंडीदीप सहित औबेदुल्लागंज क्षेत्र के पत्रकार मोहन योगी, भारत निहाल, सुरेश केवट, प्रीतम राजपूत, राजकुमार लोधी बंधुओं ने भी सहभागिता की। चर्चा के दौरान सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक विषयों के साथ-साथ नगर में अवैध शराब व्यापार पर गंभीर चिंता जताई गई और इस पर आवश्यक कार्रवाई हेतु रणनीति बनाई गई। इस अवसर पर नगर की विभिन्न समस्याओं और धार्मिक आयोजनों में पत्रकारों की सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा की गई। बैठक के उपरांत स्नेह भोज का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकने चलाया जा रहा जागरुकता अभियान

मंडला। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेक्टर स्तरीय,आंगनवाड़ियों पर एवं घर-घर जाकर लोगों को बाल विवाह रोकने हेतु जागरुक किया जा रहा है। विभिन्न गतिविधियां एवं अभियान चलाये जा रहे हैं जिसके अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा जागरुता अभियान के चलते लोगों को बाल विवाह न करने हेतु समझाईश दी गई।बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही सामूहिक विवाह स्थल में वर-वधु के उम्र संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण अधिकारी/कर्मचारी के माध्यम से जन्म प्रमाण-पत्र, स्कूल की अंकसूची, आंगनवाड़ी केन्द्र का रिकॉर्ड जांच कर विवाह को रोका जा रहा है।इसके अलावा जन सामान्य को बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई जा रही है,साथ ही जनसामान्य से सूचना प्राप्त करने हेतु जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम कार्यालय वन स्टॉप सेंटर जिला मण्डला दूरभाष 07642-252699, प्रभारी अधिकारी मधुलिका उपाध्याय प्रभारी प्रशासक मो.न. 9131670364 है।साथ ही कार्यालय महिला एवं बाल विकास परियोजना मण्डला अनूप कुमार नामदेव,परियोजना अधिकारी मो.नं. 9977094310. कार्यालय महिला एवं बाल विकास परियोजना नैनपुर रेखा सैयाम, परियोजना अधिकारी मो.नं. 8103890508,कार्यालय महिला एवं बाल विकास परियोजना मवई ओमकार सिंह मसराम।

गौरवशाली शौर्य गाथा का प्रतीक भारतीय सेना का टी 55 टैंक सिवनी में होगा स्थापित

सिवनी- भारत की गौरवशाली शौर्य गाथा में अपना योगदान रखने वाले भारतीय सेना के ञ्ज-55 टैंक को बीती शाम सिवनी में लाया गया जिसे शहर भ्रमण कराते हुए पुलिस लाईन लाया गया। सिवनी में टी 55 टैंक को सेना द्वारा मातृशक्ति संगठन को स्थानीय सर्किट हाउस चौक पर स्थापित होने के लिए भेंट दिया गया है जिसका नगर आगमन पर भ्रमण दौरान पुष्प वर्षा से भारत माता की जयकार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से पूरा सिवनी नगर गूंज उठा। देशभक्ति का अद्भुत वातावरण बना इस टैंक ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2011 तक भारतीय बख्तरबंद दस्तों के साथ सेवा में रहा। इस टैंक ने ऑपरेशन ट्राइडेंट, ऑपरेशन रक्षक, ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन पराक्रम सहित कई अभियानों में भाग लिया। टी 55 टैंक को सोवियत संघ (यूएसएसआर) में निर्मित किया गया था और यह भारतीय सेना में शामिल होकर दशकों तक भारतीय सीमाओं की रक्षा करता रहा। इस टैंक ने अपने समय में अद्वितीय विश्वसनीयता, दमदार मारक क्षमता और बेहतरीन रक्षा तंत्र के लिए दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की।

पाढर केंद्र पर समर्थन मूल्य में सरसों खरीदी की शिकायतों पर उईके ने किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश बैतुल। आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दीपक उइके ने समर्थन मूल्य पर की जा रही सरसो खरीदी को लेकर आ रही शिकायतो को गंभीरता से लेकर खरीदी केंद्र पाढर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपार्जित अनाज की गुणवत्ता को भी चेक किया। बल्कि समिति प्रबंधक को निर्देशित किया। कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए ठंडा पेयजल, छाया की व्यवस्था की जाए। साथ ही तोल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए। किसानों की फसलों की तुलाई समय पर किये जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों से संवाद कर उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं के बारे में पूछा प्रदेशाध्यक्ष दीपक उइके के साथ खरीदी केंद्र के निरीक्षण में प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता गेलेंद्र राठौर ,नीमपानी के वरिष्ठ नेता अजय वाजपेयी , राजेश परते ,मण्डल अध्यक्ष नन्दन यादव जी,नन्दकिशोर राठौर दीनदयाल मालवीय नवीन राठौर युवा नेता आदर्श मालवीय ,मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सुनील रॉय नीरज राठौर ,कपीश मालवीय,बसंत आहके, राजेश मालवी प्रेम अग्रवाल ,सुनील नायक, सहित किसान बन्धु एवम सोसायटी के कर्मचारी मौजूद थे।

कन्यादान योजना सम्मेलन में प्रशासन करेगा नवाचार , शासन की योजनाओं लगाए जाएंगे स्टॉल

सिरोंज। अक्षय तृतीया पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत विवाह निकाह योजना के तहत सम्मेलन का आयोजन कृषि उपज मंडी के परिसर में किया जाएगा सम्मेलन के लिए 363 ने पंजीयन करवाए है। जिसकी व्यवस्थाओं के संबंध में सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने कृषि उपज मंडी के परिसर में विभाग प्रमुखों की बैठक लेते हुए सभी जरूरी इंतजाम अच्छे से करने के निर्देश देते हुए कहा कोई कमी ना रहे गर्मी को ध्यान में रखकर पानी ओर छाया की व्यवस्था भी की जाए बर वधू के साथ इनके साथ आने वाले मेहमानों को भी परेशानी न हो इसके अलावा सम्मेलन में इस बार प्रशासन नवाचार भी करेगा यहां पर शासन की सभी योजना से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे जहां पर पत्र लोगों को लाभान्वित करने के लिए कार्य होगा इसके अलावा ई केवाईसी के साथ फार्मर रजिस्ट्री पर भी विशेष फोकस किया जाएगा। एसडीम ने बताया कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग आते हैं इनको शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हम नवाचार करेंगे सभी विभागों की योजना की जानकारी प्रदान करेंगे और जो पात्र लोगों लाभान्वित भी करेंगे साथ ही मुख्य रूप से इ-केवाईसी के साथ फार्मर रजिस्ट्री बनाने का काम तत्काल किया जाएगा इसके संबंध में दिशा निर्देश भी विभाग प्रमुखों को दे दिए हैं।

जन्म-मृत्यु की सूचना ,अब देनी होगी 7 दिवस में आमजन को नए नियम की नहीं है जानकारी

पार्षद ने एसडीएम को आवेदन देकर सार्वजनिक सूचना करवाने की मांग

सिरोंज। नगर पालिका परिषद से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शासन के द्वारा नवीन नियम लागू किया उसके तहत सात दिवस में इसकी जानकारी संबंधितों को कार्यालय में देनी होगी नहीं देने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा । इसके बारे में रामधन को जानकारी नहीं इस वजह से कई लोग जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशान हो रहे हैं। पहले का नियम 21 दिनों का था जबकि नए आदेश के अनुसार 7 दिवस में है सूचना देना अनिवार्य होगी जिसको लेकर वार्ड नंबर नंबर 5 के पार्षद अजमल शेर खान ने एसडीम के नाम आवेदन तहसीलदार संजय चौरसिया को दिया जिसमें कहा गया है कि नगरपालिका कार्यलय में जन्म मृत्यु शाखा से मिली जानकारी के अनुसार जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अब हितग्राहियों को नगरपालिका पालिका में 7 दिवस के अंदर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पत्र देना होगा नहीं तो जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र तहसील लोकसेवा केन्द्र से बनेगें पार्षद ने आवेदन पत्र में आगे उल्लेख किया है कि नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तो इसके संबंध में जानकारी नहीं है कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए हितग्राहियों को 21 दिवस के अंदर आवेदन पत्र नगरपालिका में जमा करना होता है उसके हिसाब से ही लोग आवेदन कर रहे हैं या नियम कब से लागू हुआ उसके बारे में सभी को सूचना होनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया।शासन ने नये नियम कब से लागू कर दिया है कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 7 दिवस के भीतर सूचना हितग्राहियों को नगरपालिका को देने की जानकारी किसी को भी नहीं है।आगे बताया कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले हितग्राहियों को परेशानी ना हो इस लिए नगर में इस की सूचना नगर पालिकापरिषद को जनहित एलॉटमेंट से ऐलान कराकर दी जाए एवं परिषद के जनप्रतिनिधियों नगरपालिका के वार्ड प्रभारियों एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके इनको भी इसके बारे में बताया जाए इसके बारे में यह आम जनता तक अपनी बात पहुंचाएंगे लोग समय पर नगर पालिका कार्यालय जाकर अपना काम करवा सके इसके वाद असुविधा का सामना भी शहर वासियों को नहीं करना पड़ेगा जो अभी हो रही है।

नए नियम ने सब की बढ़ाई मुश्किलें

सात दिवस दोनों में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जो नियम शासन के द्वारा जारी किया है इसके संबंध में शहर के लोगों जनप्रतिनिधि तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी नहीं है इस वजह से अचानक इसकी जानकारी लोगों को लग रही है तो उनकी चिंताएं बढ़ गई है कि अधिकांश लोग 21 दिवस में ही सूचना की जानकारी होने पर 7 दिन बीत जाने के बाद भी नगर पालिका कार्यालय में जानकारी नहीं दे पाए हैं ।अब इन्हें लोक सेवा केंद्र में पैसे खर्च करके इस काम को करवाना होगा इस वजह से आर्थिक नुकसान के साथ परेशानियों से भी इनको जूझना पड़ेगा ।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में नरसिंहपुर जिले में ऐतिहासिक कार्य

सैनिक स्कूल को भारत सरकार की स्वीकृति, क्षेत्रवासियों में हर्ष

नरसिंहपुर – भगवान नरसिंह की धरा पर कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के प्रयासों से राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित सैनिक स्कूल को भारत सरकार द्वारा औपचारिक स्वीकृति प्रदान की गई है रक्षा मंत्रालय ने नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में बन रहे सैनिक स्कूल के लिया स्वीकृति देते हुए शुभकामनाएं दी इस खबर के सामने आते ही सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल है। यह सैनिक स्कूल मात्र एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व के संस्कारों की प्रयोगशाला बनेगा। यहाँ से देश को समर्पित भावी सैनिक और राष्ट्रसेवक तैयार होंगे।गौरतलब है कि यह सैनिक स्कूल न केवल नरसिंहपुर बल्कि सम्पूर्ण नर्मदापुरम संभाग और मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ छात्रों को देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता के गुणों से भी सुसज्जित किया जाएगा फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल द्वारा इस उपलब्धि के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तथा मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह पटेल के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही फाउंडेशन के सभी सदस्यों, सलाहकारों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया है, जिनके सहयोग और प्रयासों से यह स्वप्न साकार हो सका है इसके साथ ही उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजी.सरदार सिंह पटेल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि यह स्वीकृति हमारे लिए गर्व का विषय है। यह विद्यालय हमारे प्रिय मणिनागेन्द्र सिंह पटेल (मोनू भैया) के सपनों को साकार करेगा एवं विधार्थियों में देशभक्ति का नया सूर्योदय होगा।

आरटीओ और ट्रैफिक अधिकारी संयुक्त दल बनाकर वाहनों की चेकिंग करें: कलेक्टर

छतरापुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में चिन्हित जघन्य सनसनीखेज अपराधों, नार्कोटिक्स, सड़क सुरक्षा समिति को समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसपी अगम जैन, एएसपी विदिता डागर, एसडीएम मिलिंद नागदेवे, डीपीओ प्रवेश अहिरवार, यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नार्कोटिक्स की बैठक में कलेक्टर ने खाद्य नमूने जांच में फेल होने पर फूड ऑफिसर से की गई कार्यवाहियों की जानकारी लेते हुए लाइसेंस कैंसिल की कार्यवाही कर एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश दिए। ड्रग इंस्पेक्टर बेच रहे बिना प्रिस्क्रिप्शन के गलत दवाइयों पर संयुक्त रूप से निरंतर कार्यवाहियां करने के निर्देश दिए।

व्यर्थ की चीजों से बनाए सजावटी सामान चित्रकारी किए गमले देखे डीपीसी ने

धार। 'सहृदय, सीखे, सृजन करे, समाज से जुड़े' थीम पर सीएम राइज विद्यालय में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर के नौवें दिन जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी प्रदीप खरे शिविर में पहुंचे। श्री खरे ने शिविर में चल रही विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को देखा और विद्यार्थियों से रूबरू हुए। विद्यार्थियों के द्वारा व्यर्थ की सामग्री से बनाई जा रही अनेको रचनात्मक चीजों को देखकर उन्होंने विद्यार्थियों के कौशल विकास की तारीफ की और अपनी ओर से प्रत्येक विद्यार्थी को स्केच पेन के सेट देने को कहा। यह 250 स्केच पेन के ये सेट शिविर के समापन के अवसर पर विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। अपनी मेहनत को पहचान और पुरस्कार मिलते देख छात्रों में गजब का उत्साह है।

सीएम राइज विद्यालय के प्राचार्य डॉ स्मृति रत्न मिश्र ने डीपीसी खरे को शिविर का भ्रमण करवाया और बच्चों की रचनात्मकता से परिचय कराया। ज्ञातव्य हो कि शिविर में प्रतिदिन लगभग 250 से अधिक छात्र भाग ले रहे हैं। श्री खरे ने विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएं, चित्रकारी किए गए गमले, कागज और सुतली से बनी विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, व्यर्थ के टायरों से बनाए गए स्टूल, सफेद चादर पर की गई कलाकारी और मिट्टी के बनाए गए गणेश जी आदि को देखकर विद्यार्थियों के कौशल की प्रशंसा की। ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिदिन जो विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाई जा रही है उन सभी को अंतिम दिन प्रदर्शनी लगाकर विक्रय किया जायेगा। जिसका पैसा विद्यार्थी अपने पास रखेंगे। इससे विद्यार्थी के अंदर एक स्वावलंबन की भावना पैदा होगी और भविष्य में वे शिविर में सीखी गई विधाओं को विस्तृत रूप देकर उसे अपना रोजगार भी बना सकेंगे ।

धार के बीआरसी भरतराज राठौर के द्वारा सोमवार को शिविर में विद्यार्थियों को दोपहर का विशेष भोज दिया गया। इस अवसर पर बीएससी देवेंद्र दीक्षित भी उपस्थित थे। इससे पूर्व धार एसडीएम रोशनी पाटीदार ने भी सभी छात्रों को दोपहर का विशेष भोज और कॉपी पेन देने को कहा गया है।

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में विलम्ब बर्दाश्त नही करेंगे :कलेक्टर

छात्रावासों में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें

सांध्य प्रकाश बैतूल। जनहित के प्रति अपने दायित्वों को पूरी ईमानदारी, सेवाभाव और संवेदनशीलता के साथ निभाएं। शासन की सभी योजनाओं सहित अन्या कार्यो का जनसामान्य को समय पर लाभ मिले। यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ एवं सभी विभागों के अधिकारियों को दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ, सीएमओ और कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यंत्री सेवा को निर्देश दिए कि अभियान के तहत ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के सभी तालाबों और अन्य जल स्त्रोतों के मरम्मत और स्वच्छता के कार्यो में गति लाएं। इसी प्रकार चेक डैम, ग्रे वॉटर, रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण में भी तेजी तेजी लाए। उन्होंने नहरों की साफ सफाई और किलोमीटर स्टोन भी लगाने के निर्देश कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग को दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को जन जागरूकता के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को रिचार्ज शॉप का निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी जल संरचनाओं पर हुए अतिक्रमण को भी तत्काल हटवाएं। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में विकासखंड स्तर पर भी विभागवार अभियान की मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपनी विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं। पेंशन के कोई भी प्रकरण लंबित न रहें। छात्रावासों में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। नामांतरण, बटवारा इत्यादि राजस्व प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण कराएं। मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी, सड़क सुधार इत्यादि शिकायतों का भी त्वरित निराकरण किया जाए। नगरीय निकायों में भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। किसान सम्मान निधि के राशि भुगतान में विलम्ब न हकलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण कराएं। 50 दिवस से अधिक की भी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत शेष नल जल योजनाओं के कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने नल जल योजनाओं के कार्य गुणवत्ता पूर्ण रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल की सतत आपूर्ति के लिए सभी जनपद सीईओ और सम्बन्धित अधिकारी सतर्क रहें। पेयजल संबंधी शिकायतों प्राप्त होने पर त्वरित निराकरण कराएं। उन्होंने स्वरोजगार मूलक योजनाओं में भी लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों द्वारा प्रेषित ऋण सम्बन्धी प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृत और वितरित कराएं। उन्होंने सब्सिडी सम्बन्धी योजनाओं में भी बैंकों से समन्वय कर मांग को जनरेट कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी एसडीएम को सड़क दुर्घटना के ज्ञात और अज्ञात वाहन के लंबित प्रकरणों के प्रतिवेदन शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अभियान के तहत नामांतरण, बटवारा, नक्शा तरमीम, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का भी समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने के प्रति जन जागरूकता के साथ सख्त कार्यवाही भी की जाएं। नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के साथ जुर्माना भी लगाएं। उन्होंने 16 मई को माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित भ्रमण की समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन,अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को विदित हो कि मैं निरंजन सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह निवासी-वार्ड नं. 03, नाना जी वाली गली, गंज बासौदा जिला विदिशा का हूँ, पहले मेरे पुत्र का नाम जतिन, माता का नाम नीतू, आधार नं. 876939031653 था, लेकिन अब मेरे पुत्र का नाम कृष्णा ठाकुर पुत्र निरंजन सिंह ठाकुर, माता का नाम नीतू ठाकुर आधार नं. 876939031653, हो गया है, अब मेरे पुत्र को कृष्णा ठाकुर के नाम से जाना जायेगा यह सर्व साधारण को विदित हो।

भवदीय

निरंजन सिंह ठाकुर पुत्र श्री उमराव सिंह निवासी-वार्ड नं. 03, नाना जी वाली गली, गंज बासौदा जिला विदिशा

कर्नाटक हाईकोर्ट ने इंफोसिस के सह संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन के खिलाफ एफआईआर खारिज की

बेंगलुरु एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने इंफोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन और अन्य के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने शिकायत को कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया और शिकायतकर्ता के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने की स्वतंत्रता प्रदान की। 16 अप्रैल को आदेश पारित करने वाले जज हेमंत चंदनगौदर ने कहा कि यह शिकायत याचिकाकर्ताओं को परेशान करने का एक कष्टप्रद प्रयास है। यह एफआईआर भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के पूर्व संकाय सदस्य डी. सन्ना दुर्गाप्पा द्वारा दर्ज की गई निजी शिकायत पर आधारित थी, जिन्हें यौन उत्पीड़न के आरोपों की आंतरिक जांच के बाद 2014 में बर्खास्त कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि 2015 में हाईकोर्ट में चुनौती दिए जाने के बाद बर्खास्तगी को इस्तीफे में बदल दिया गया था। उस समय समझौते के तहत दुर्गाप्पा ने संस्था और उसके प्रतिनिधियों के खिलाफ सभी शिकायतें और कानूनी कार्यवाही वापस लेने पर सहमति व्यक्त की थी। इसके बावजूद, उन्होंने दो और एफआईआर दर्ज कीं, जिनमें से दोनों को 2022 और 2023 में रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान एफआईआर में भी इसी तरह के आरोप हैं और यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

सोनाक्षी सिन्हा ने 'मेरी भव्या लाइफ़' को अपनी आवाज़ दी

मुंबई, एजेंसी। जहां अनगिनत महिलाओं की कद्र आज भी उनकी काबिलियत से ज़्यादा उनके आकार के अनुसार की जाती है, वहीं सोनाक्षी सिन्हा सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सुर्खियों में आई हैं। कलर्स की आगामी पेशकश 'मेरी भव्या लाइफ' के साथ जुड़कर, जिसमें नवोदित प्रिशा धतवालिया मुख्य भूमिका में हैं, सोनाक्षी शारीरिक आकार के प्रति समाज के जुनून और इससे जुड़े सुंदरता के विषाक्त मानदंडों की नई कहानी लिख रही हैं। प्रिशा अभिनीत भव्या के साथ साइज़िज्म और बॉडी पॉज़िटिविटी के बारे में एक स्पष्ट बातचीत करते हुए, सोनाक्षी ने उस पाखंड को उजागर किया जो महिलाओं से बड़े सपने देखने के लिए कहता है, लेकिन केवल तभी जब उनके कपड़ों का साइज़ डबल एक्सएल न हों। सोनाक्षी और प्रिशा ने चुपचाप दिए जाने वाले उस आघात को उजागर किया जो बचपन में ही शुरू हो जाता है, जब रिश्तेदारों की अनचाही टिप्पणियां चिंता का रूप ले लेती हैं, जिससे गहरे भावनात्मक घाव पीछे छूट जाते हैं। दबंग अभिनेत्री ने उस दोहरे मापदंड की पूरी तरह से आलोचना की, जिसका सामना महिलाओं को हर दिन करना पड़ता है। बचपन के तानों के आघात से लेकर ऑनलाइन ट्रोल के सदमों तक, उन्होंने हर तरह के अपमान का सामना किया है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, मेरी भव्या लाइफ़ एक ताज़ी हवा का झोंका है, क्योंकि पहली बार मेकओवर का फ़ोकस लड़की का रंगरूप बदलने पर नहीं है - यह नज़रिया बदलने के बारे में है।

एलएंडटी फाइनेंस लि. अब तक का सर्वोच्च कंसोलिडेटेड प्रॉफिट आफ्टर टैक्स दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड (एलटीएफ) ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 2,644 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक कंसोलिडेटेड प्रॉफिट आफ्टर टैक्स दर्ज किया है, जिसमें वार्षिक आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने चौथी तिमाही में 636 करोड़ का पीएटी दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की रिटेल बुक 95,180 करोड़ तक पहुँच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। सालभर के लिए रिटल डिस्बर्समेंट 60,040 करोड़ रहा, जो वार्षिक आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्शा रहा है। चौथी तिमाही में रिटेल डिस्बर्समेंट 14,899 करोड़ रहा, जो स्थिर (स्टेबल) बना रहा।एलटी एफके बोर्ड ने 25 अप्रैल, 2025 को हुई बैठक में वित्तवर्ष 2024-25 केलिए 10 प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य पर 2.75 का अंतिम डिविडेंड घोषित करने की सिफारिश की है — यह अब तक का सबसे अधिक डिविडेंड है। इसे आगामी एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में सदस्यों के अनुमोदन के पश्चात 30 दिनों के भीतर वितरित किया जाएगा। कंपनी का ग्राहक-फेसिंग प्लानेंट ऐप 3.0 (बीटा), जो एक सशक्त डिजिटल चैनल बन चुका है, अब तक 1.72 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, जिसमें 16 लाख से अधिक ग्रामीण क्षेत्र से हैं। इस ऐप के माध्यम से अब तक 3,800 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया जा चुका है और 6.85 करोड़ से अधिक ग्राहक अनुरोधों को सेवाएं दी गई हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से 12,700 करोड़ से अधिक ऋण (वेबसहित) स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने एक अधिक स्मार्ट, तेज और ग्राहक-केन्द्रित वेबसाइट भी लॉन्च की है।

वैगन्स लर्निंग लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 2 मई को

मुंबई, एजेंसी। वैगन्स लर्निंग लिमिटेड (वैगन्स लर्निंग, द कंपनी), जो कॉर्पोरेट ट्रेनिंग और डिजिटल लर्निंग सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली एक अग्रणी संस्था है, अपना प्रारंभिक आईपीओ (इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग) शुक्रवार, 2 मई 2025 को खोलने जा रही है। कंपनी इस निर्गम के माध्यम से 38.38 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) जुटाने का लक्ष्य लेकर आई है। जारी किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस निर्गम का आकार 46,80,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है, और इनका मूल्य बैंड 78 से 82 प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। वैगन्स लर्निंग लिमिटेड के चैयरमैन और सीईओ उदय जगन्नाथ शेट्टी ने कहा, वैगन्स ने लगातार उच्च-गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट प्रशिक्षण, डिजिटल लर्निंग और कौशल विकास समाधान प्रदान करके अपनी साख मजबूत की है। हमारी यात्रा ग्राहकों की आवश्यकताओं की गहरी समझ, मजबूत क्रॉस-सेक्टर क्षमताओं और बदलते लर्निंग परिदृश्य के साथ अनुकूलन की क्षमता से मार्गदर्शित रही है। वर्षों में, हमने 5,50,000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षण दिया है, जिसमें वर्चुअल और डिजिटल मॉड्यूल शामिल हैं। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हमारे द्वारा लर्निंग और डेवलपमेंट पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए सार्थक प्रभाव को दर्शाता है।

ओप्पो ए5 प्रो 5जी: शानदार परफॉरमेंस और मज़बूत डिजाइन के साथ हुआ लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने मजबूती के वादे को निभाते हुए ओप्पो ए5 प्रो 5जी के साथ स्मार्टफोन की दूरेबिलिटी में एक नई मिसाल कायम की है। यह फोन ओप्पो की दूरेबिलिटी वाली पहचान को एफ सीरीज़ से ए सीरीज़ तक आगे बढ़ाया है और स्मार्टफोन की ताकत को नए स्तर पर ले गया है। अब ओप्पो के सभी फ्लैगशिप, मिड-रेंज और ए5 प्रो डिवाइसेज़ में आईपी69 जैसी बेहतरीन रेटिंग मिलती है, जो की ये दर्शाता है की ब्रांड कैसे एक दूरेबल चैंपियन फॅमिली का पोर्टफोलियो अपने कंस्यूमर्स को प्रोवाइड कर रहे है । इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, ओप्पो अब ए5 प्रो 5जी के ज़रिए मजबूती को आम लोगों तक पहुंचा रहा है—ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग एक दमदार स्मार्टफोन का अनुभव कर सकें। ओप्पो ए5 प्रो 5जी के 8जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 17,999 रुपये और 8जीबी+256जीबी वैरिएंट का मूल्य 19,999 रुपये है।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद अक्षय तृतीया पर खरीदारी की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया के अवसर पर सोने की कीमतें अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में सोने की कीमतों में काफी गिरावट भी आई, जिसका मुख्य कारण मुनाफाखोरी और अमेरिकी डॉलर में नए सिरे से दिलचस्पी का उभरना रहा। ज्वेलर्स और उद्योग जगत का कहना है भारतीय उपभोक्ता इस अक्षय तृतीया पर कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद सोना खरीदना जारी रखेंगे। खरीदार अपनी आवश्यकता अनुसार आभूषण ले रहे हैं। वे कम वजन के आभूषणों से लेकर गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल सोना ओर सिक्के सहित बार व सोने के विभिन्न रूपों में खरीदारों ने मजबूत रुचि दिखा रहे हैं। ज्वेलर्स का यह भी कहना है कि उपभोक्ता अक्षय तृतीया यानी 30 अप्रैल 2025 को सोने की कीमतों को देखकर भी खरीदारी का फैसला ले सकते हैं।

ऊंची कीमतों के बावजूद सोने के प्रति लोगों की भावना मजबूत

पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक सौरभ गाडगिल ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि सोने में रिकॉर्ड कीमतों के बाद भी, निवेश वर्ग और समृद्धि के प्रतीक के रूप में सोने के प्रति उपभोक्ताओं की भावना मजबूत बनी हुई है। हमें अक्षय तृतीया पर सोने की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है, हालांकि उच्च कीमतें पिछले साल की तुलना में वॉल्यूम वृद्धि को कम कर सकती हैं, लेकिन हमें उम्मीद हैं कि मूल्य के संदर्भ में वृद्धि से इसकी भरपाई हो जाएगी। हम बिक्री पर फिलहाल कोई दबाव नहीं देख रहे हैं। इससे अलग सोने को सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जाता रहा है, खासकर वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए। उनका कहना है हम इस त्योहारी सीजन में मजबूत बिक्री की उम्मीद करते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन बताते हैं कि फिलहाल सिक्के और बार में बुकिंग काफी समय पहले से हो चुकी है। लेकिन पिछले साल की तुलना में यह काफी कम है। बावजूद इसके अक्षय तृतीया पर बिक्री उम्मीद है। झवेरी बाजार के बीडी बैंगल्स के श्रेयस कोठारी कहते हैं, इस अवसर पर ग्राहक वर्ग शुभता व पारंपरिक खरीदारी के लिए खरीदारी करेंगा ऐसी हमें उम्मीद है। सोने की कीमतें अधिक होने की वजह से यह खरीदारी हल्के गहनों, पुराने देकर नया आभूषण लेने, कम ग्राम के सोने के सिक्कों की होगी। लेकिन यह पिछले साल की तुलना में कम रहने की संभावना है। इसलिए हम गहनों की बनवाई पर छूट दे रहे हैं और कई तरह के ऑफर ग्राहकों के लिए पेश किए हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के क्षेत्रिय सीईओ, भारत सचिन जैन कहते हैं, यह साल सोने के लिए महत्वपूर्ण रहा है, जनवरी से अब तक वैश्विक कीमतों में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। घरेलू बाजार में भी सोने की कीमतों ने एक लाख रुपये प्रति दस ग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर छुआ और इससे उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत हुआ। उनका कहना है कि सुरक्षित निवेश, अच्छे रिटर्न और पारंपरिक वजहों से सोने में उतार-चढ़ाव के बाद भी इस अक्षय तृतीया पर खरीदारी होगी। उन्होंने बताया कि उद्योग की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि उच्च कैरेट के सोने के आभूषण, गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल सोना ओर सिक्के सहित बार व सोने के विभिन्न रूपों में खरीदारों ने मजबूत रुचि है दिखा रहे हैं। टैरिफ से जुड़ी समस्याओं के बावजूद सोने के आभूषण खुदरा विक्रेताओं के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और वे खरीदारी को लेकर भी आशावादी हैं, क्योंकि त्योहारों के साथ शादी ब्याह का सीजन भी शुरू हो रहा है।

बिक्री बढ़ाने के लिए अक्षय तृतीया पर ज्वेलर्स के ऑफर

हल्के गहनें यानी लाइट वेटेड ज्वेलरी बनाने वाले सभी ब्रांड अक्षय तृतीया पर बिक्री बढ़ाने के लिए उपभोक्ता को कई तरह के ऑफर और छूट दे रहे हैं। जिसमें विशेष खरीदारी पर 0.5 ग्राम सोने का सिक्का मुफ्त दे रहे हैं, तो डायमंड गहनों पर 60 प्रतिशत तक की छूट भी दी जा रही है। वहीं सोने के आभूषणों की बनवाई पर उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कैरेटलेन के सीईओ सौमेन भौमिक कहते हैं अक्षय तृतीय पर बिक्री बढ़ाने के लिए उपभोक्ताओं को कैरेटलेन की और से खरीदारी करने पर 0.5 ग्राम सोने का सिक्का मुफ्त दे रहे हैं। यह अक्षय तृतीया की उनकी खरीदारी को और खास बनाएगा। इसके अलावा कई ऑफर और तेज डिलीवरी की सुविधा भी इस अवसर के लिए है। मिआ बाए तनिष्क की बिजनेस हेड श्यामला रमणन कहती हैं, अक्षय तृतीया के लिए मिया आकर्षक ऑफर्स दे रहा है, जिसमें डायमंड, चांदी और सोने के आभूषणों पर भारी छूट दी जा रही है, जो अक्षय तृतीया तक ही सीमित हैं।

तेलंगाना ने शांति कुमारी को एमसीआर एचआरडी संस्थान का कुलपति नियुक्त किया

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी को 30 अप्रैल को उनकी सेवानिवृत्ति पर तेलंगाना के डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास (एमसीआर एचआरडी) संस्थान का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। सोमवार को जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है, प्रशासन की आवश्यकता के मद्देनजर, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान की उपाध्यक्ष, आईएएस श्रीमती शांति कुमारी को अगले आदेश तक डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान के महानिदेशक के पद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान तेलंगाना सरकार का प्रमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान है, जो सरकार के लिए समर्पित कार्यबल तैयार करता है और उसे बनाए रखता है। डॉ. एमसीआर एचआरडी के उपाध्यक्ष के रूप में शांति कुमारी की नियुक्ति का सरकारी आदेश, सरकार द्वारा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के. रामकृष्ण राव को नया मुख्य सचिव नियुक्त करने के एक दिन बाद आया है। 1991 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी वर्तमान में वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव हैं। रामकृष्ण राव नवंबर 2023 में पदभार संभालने के बाद कांग्रेस सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले पहले मुख्य सचिव हैं। सरकार ने एक अलग आदेश के जरिए रामकृष्ण राव को अगले आदेश तक वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव के पद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा है। राजकोषीय विशेषज्ञता के लिए जाने जाने वाले रामकृष्ण राव इस प्रतिष्ठित पद के लिए सबसे आगे थे। माना जा रहा है कि सरकार ने राज्य की वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें चुना है। इस बीच, मुख्य सचिव के रूप में नियुक्ति के एक दिन बाद रामकृष्ण राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। जनवरी 2023 में तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तत्कालीन मुख्य सचिव सोमेश कुमार को आंध्र प्रदेश भेजे जाने के बाद शांति कुमारी को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था। 1989 बैच की आईएएस अधिकारी शांति कुमारी तेलंगाना की पहली महिला मुख्य सचिव थीं। मुख्य सचिव के रूप में नियुक्ति से पहले वह वन विभाग में विशेष मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थीं। समुद्री जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में एमबीए की पढ़ाई की और दो साल तक संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में भी काम किया। अपनी सेवा के तीन दशकों के दौरान, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, कौशल विकास और वन विभागों में विभिन्न पदों पर काम किया। अस्वीकरण- यह पोस्ट बिना किसी संशोधन के एजेंसी फ़ीड से स्वत: प्रकाशित की गई है और किसी संपादक द्वारा इसकी समीक्षा नहीं की गई है।

सेबी ने 4 निदेशकों पर बाजार में कारोबार करने पर रोक लगाई, जब्त होगी 3 .22 करोड़ की अवैध कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑर्डर स्पूफिंग हेराफेरी में शामिल होने के कारण बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी पटेल वेल्थ एडवाइजर्स (पीबीडब्ल्यूएए) और इसके 4 निदेशकों पर बाजार में कारोबार करने पर रोक लगा दी। इनमें देनिश महेशभाई पटेल, मितुल उमेदलाल वोरा, कौशल वसंतराय पटेल और मिनीश महेशभाई पटेल शामिल हैं। सेबी ने निदेशकों के 3.22 करोड़ रुपये की अवैध कमाई जब्त करने का भी आदेश दिया है। कंपनी पर 621 मामलों में ऑर्डर स्पूफिंग कर शेयरों की कीमतों में हेरफेर करने का आरोप है। बता दें कि ऑर्डर स्पूफिंग में कोई ट्रेडर्स जानबूझकर ऐसा ऑर्डर देता है, जिसे वह निपटाने से पहले ही निरस्त कर देता है और उसी समय दूसरी तरफ ट्रेड करता है। सेबी के होल-टाइम मेंबर कमलेश वार्ष्णेय ने 41 पेज के आदेश में कहा, पटेल वेल्थ एडवाइजरों ने इसका इस्तेमाल दूसरों को गुमराह करने और बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव से मुनाफा कमाने के लिए किया। इसने बाजार की कीमतों में अव्यवस्था पैदा की और बाजार को कमजोर किया।

सुजुकी मोटर के पूर्व सीईओ ओसामु सुजुकी को मरणोपरांत पद्म विभूषण, बेटे ने ग्रहण किया पुरस्कार

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजुकी मोटर के पूर्व सीईओ ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत) को व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। उनके बेटे और सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह पुरस्कार ग्रहण किया। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष और दुनिया में कंपनी के विस्तार के अगुआ रहे ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में 25 दिसंबर 2024 को लिम्फोमा के कारण निधन हो गया। 30 जनवरी, 1930 को जापान के गेरो में जन्मे ओसामु मात्सुदा, सुजुकी के संस्थापक परिवार में विवाह करने के बाद 1958 में कंपनी से जुड़े। अपनी पत्नी का उपनाम लेते हुए, उन्होंने एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की। उन्होंने सुजुकी मोटर को दुनिया भर में छोटी कारों और मोटरसाइकिलों में जाना-माना नाम बना दिया। ओसामु सुजुकी का सबसे साहसिक कदम 1980 के दशक में भारतीय बाजार में प्रवेश करना था। 1982 में, सुजुकी ने भारत सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाया, जिसके परिणामस्वरूप देश में मारुति कार निर्माण शुरू हुआ। इस साझेदारी ने मारुति 800 नामक एक छोटी कार को पेश किया, जो तुरंत हिट हो गई और भारतीय बाजार में सुजुकी के प्रभुत्व को मजबूत किया।

टाइटन वॉचेज अपने नए ऑटोमेटिक्स कलेक्शन के साथ आपके स्टाइल में चार-चांद लगाने के लिए तैयार

बैंगलुरू, एजेंसी। मैकेनिकल दुनिया के प्रति पुरूषां का आकर्षण को हर कोई जानता है! टाइटन वॉचेज़ अपने नए ऑटोमेटिक कलेक्शन के लॉन्च के साथ इसी आकर्षण को आगे बढ़ाते हुए आपके स्टाइल को नए स्तर तक ले जाने के लिए तैयार है। यह कलेक्शन यांत्रिक घड़ी निर्माण की खूबसूरती को उजागर कर मैकेनिक्स की भव्यता का जश्न मनाता है। इस कलेक्शन की हर घड़ी को आकर्षक स्केलेटल डायल में डिज़ाइन किया गया है, जहां जटिल इंजीनियरिंग हर स्टाइल का सार बन जाती है। इंटीग्रेटेड ब्रेसलेट से लेकर ड्यूल-फिनिश सोलिड लिंक स्ट्रैप्स तक, हर डिज़ाइन को उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए सोच-समझ कर डिज़ाइन किया गया है। 21 ज्वैल बियरिंग्स, 21,600 बीट्स प्रति घण्टे की कंपन आवृत्ति और 42 घण्टे के प्रभावशाली पावर भंडार के साथ सटीकता, कारीगरी एवं परफोर्मेन्स पर केंद्रित यह कलेक्शन उन पारखियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो घड़ी की टिक-टिक की सराहना करते हैं। टाइटन का ऑटोमेटिक कलेक्शन चार विशेष वॉच लाईन्स में आता है, इनमें से हर एक को खास व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए अनूठे तरीके से डिज़ाइन किया गया है। इस शानदार कलेक्शन की खासियत है यिन यांग स्केलेटल ऑटोमेटिव वॉच, जो असाधारण यिन-यांग स्केलेटन डिज़ाइन एवं रिफाइन्ड प्रेस-पैटर्न डीटेलिंग के साथ संतुलन का कलात्मक जश्न मनाती है। स्लीक स्टेनलैस स्टील एवं भव्य रोज़ गोल्ड संयोजन से बनी यह घड़ी औपचारिक परिधान के लिए बेहतरीन है।फिनिक्स से प्रेरित फिनिक्स स्केलेटल ऑटोमेटिव वॉच, बोल्ड स्केलेटल डायल के साथ शक्ति का प्रतीक है, जिसे फिनिक्स विंग्स के समान जटिलता से डिज़ाइन किया गया है। घुमावदार क्राउन इसके डिज़ाइन में निखार लाता है।

गोदरेज ने कॉम्पैक्ट पर्सनल रूम कूलर एज मिनिकूल पेश किया

अगले साल एयर कूलर श्रेणी सेगमेंट में 50 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। भीषण गर्मियों और उपभोक्ताओं की बहुआयामी घरेलू कूलिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, गोदरेज एंड बॉयस के अप्लायंसेज़ बिज़नेस, जो गोदरेज एंटरप्राइज़ेस ग्रुप का हिस्सा है, ने एयर कूलर सेगमेंट में अपनी नवीनतम पेशकश एज मिनिकूल लॉन्च की है, जो एक कॉम्पैक्ट पर्सनल कूलर है। यह प्रोडक्ट पोर्टेबल, आकर्षक और प्रभावी कूलिंग समाधान की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

गोदरेज का एज मिनिकूल एक पतला, कॉम्पैक्ट और सुविधाजनक पर्सनल एयर-कूलर है, जिसे बेहतर कूलिंग के लिए घर में कहीं भी ले जाया जा सकता है। इसमें 37 लीटर क्षमता वाला एक पानी का टैंक है, जिसमें वाटर लेवल इंडिकेटर है, और एक इन-बिल्ट आइस चैंबर भी है, जो खास तौर पर गर्म दिनों में अतिरिक्त ठंडक प्रदान करता है। इसका 5-ब्लेड वाला एयरोडायनामिक 12 पंखा शक्तिशाली एयर थ्रो सुनिश्चित करता है और बेहतर कूलिंग के लिए 3-साइड एयर सक्शन द्वारा समर्थित है। स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसमें पूरी तरह से फोल्ड होने वाले लॉवर्स और एंटी-बैक्टीरियल, बिना गंध वाले हनीकॉम्ब कूलिंग पैड्स हैं, जो ताज़ी और साफ़ हवा प्रदान करते हैं। टिकाऊ डिज़ाइन में पंप और फैन मोटर के लिए ओवरहीटिंग से सुरक्षा शामिल है, और इसमें ब्रेक के साथ मज़बूत कैस्टर व्हील्स हैं, जिससे इसे कहीं भी ले जाना आसान हो जाता है। गोदरेज एंटरप्राइज़ेस ग्रुप के अप्लायंसेज़ बिज़नेस के बिज़नेस हेड और ईवीपी श्री कमल नंदी ने इस नए लॉन्च पर कहा, गर्मियों के दौरान बढ़ते तापमान के कारण उपभोक्ताओं के घरों में एक से अधिक, कुशल और किफायती कूलिंग समाधानों की तत्काल आवश्यकता है। 100 लीटर तक के मजबूत एयर कूलर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ, एज मिनिकूल की लॉन्चिंग के साथ, हम अपने कूलिंग पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं ताकि आधुनिक व जगह की चिंता करने वाले उपभोक्ताओं के लिए कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल विकल्प उपलब्ध हो सकें। वित्त वर्ष 2024-25 में हमने एयर कूलर कैटेगरी में 2ङ्ग ग्रोथ दर्ज की है, और अगले वर्ष इसमें 50 प्रतिशत ग्रोथ का लक्ष्य रखा है। गोदरेज एज मिनिकूल की यह मेड इन इंडिया रेंज आकर्षक वाइन रेड और डार्क ग्रे रंगों में उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती कीमत भारत भर के स्टोर्स में 10,490 रुपये है।

पीएंडजी शिक्षा की विशेष कॉफी टेबल बुक ट्वेंटी टेल्स ऑफ ट्रायम्फ का विमोचन

मंडीदीप। व्हिस्पर, पैम्पर्स, एरियल आदि जैसे ब्रांडों की निर्माता प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया (पीएंडजी इंडिया) ने मंडीदीप स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी प्रमुख सीएसआर पहल - पीएंडजी शिक्षा के 20 साल पूरे होने का उत्सव मनाया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए पीएंडजी शिक्षा की विशेष कॉफी टेबल बुक ट्वेंटी टेल्स ऑफ ट्रायम्फ का विमोचन हुआ। इस अवसर पर रक्षा साहू - जिनकी प्रेरणादायक कहानी कॉफी टेबल बुक में शामिल की गई है, के साथ सरकार और पीएंडजी इंडिया के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। साथ ही, और सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने पर केंद्रित लक्षित शैक्षिक हस्तक्षेपों के माध्यम से 50 लाख से अधिक पीएंडजी इंडिया के अधिकारीयों ने मध्य प्रदेश सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से मुलाक़ात कर यह किताब उन्हें भेंट की। इसके पश्चात, पीएंडजी इंडिया के अधिकारीयों ने माननीय विधायक - भोजपुर, सुरेंद्र पटवा को भी यह किताब भेंट करी। यह पुस्तक इस बात की सशक्त याद दिलाती है कि शिक्षा उस बदलाव को ला सकती है, जब हर बच्चे को आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए। इसमें पूरे भारत से दृढ़ता और प्रगति की प्रभावशाली कहानियों को शामिल किया गया है, जिसमें मध्य प्रदेश के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिन्हें पीएंडजी शिक्षा की पहल का लाभ उठाकर की गई उल्लेखनीय प्रगति के लिए इस आयोजन में सम्मानित भी किया गया। पीएंडजी शिक्षा पिछले दो दशकों से राज्य सरकारों और प्रसिद्ध एनजीओ पार्टनर्स के साथ साझेदारी में सीखने के अंतराल की रोकथाम और सुधार बच्चों को प्रभावित कर रही है। इस आयोजन में पीएंडजी इंडिया ने मंडीदीप के मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने पीएंडजी शिक्षा और एजुकेशनल इनिशिएटिव्स द्वारा लागू किए गए एक एआइ -संचालित डिजिटल रेमेडियल लर्निंग टूल - माइंडस्पार्क - का लाभ उठाकर अपने लर्निंग के परिणामों को बेहतर किया है। गणमान्य व्यक्तियों को यह अनुभव करने का भी अवसर मिला कि पीएंडजी शिक्षा माइंडस्पार्क लर्निंग लैब में एक बच्चा तकनीक की मदद से कैसे सीखता है, जहाँ सीखने की यात्रा उनके स्तर, गति और सीखने की प्राथमिकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जाता है ।

सेवा से ही कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा: सांसद

रेलवे अस्पताल में वाटर आरो का सांसद ने किया शुभारंभ

छिंदवाड़ा। सेवा से ही हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। हम सब के भीतर सेवा का भाव होना चाहिए। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने सोमवार को रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर यह बात कही। सांसद श्री साहू ने सोमवार को रेलवे स्टेशन हॉस्पिटल छिन्दवाड़ा में स्थापित किये गये वाटर आरो का शुभारंभ किया। हॉस्पिटल में आरो लग जाने से अब यहां आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को शुद्ध एवं ठंडा पानी मिल सकेगा। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने एक व्यक्ति को खुद अपने हाथों से पानी भी पिलाया।

तुअर फसल के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल

छिन्दवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर तुअर पंजीयन की अंतिम 30 अप्रैल 2025 कर है। समर्थन मूल्य पर तुअर की उपार्जन नीति के अनुसार समर्थन मूल्य रूपये 7550 प्रति क्विंटल पर तुअर फसल का उपार्जन 10 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हो गया है जो 10 जून 2025 की अवधि तक किया जाएगा। तुअर फसल का पंजीयन 30 अप्रैल 2025 तक निर्धारित किये गये पंजीयन केन्द्रों सहकारी विपणन संस्था मर्यादित छिंदवाड़ा, सेवा सहकारी समिति नेर, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित चौरई, सेवा सहकारी समिति चांद, मोहखेड़ सेवा सहकारी समिति उमरानाला, सेवा सहकारी समिति बदनूर, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित अमरवाड़ा, सेवा सहकारी समिति हर्रई, सेवा सहकारी समिति बटकाखापा, सेवा सहकारी समिति परासिया, सेवा सहकारी समिति उमरेठ, जुन्नारदेव सेवा सहकारी समिति नवेगांव, सेवा सहकारी समिति जुन्नारदेव, सेवा सहकारी समिति तामिया, सेवा सहकारी समिति झिरपा, सेवा सहकारी समिति बिछुआ,आदि समितियों में किया गया है।

राष्ट्रीय आरोग्य मेला में डॉ. रश्मि नेमा के निर्देशन में नाटक कुसुमवती का सफल मंचन

छिंदवाड़ा। जिले की प्रतिष्ठित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि नेमा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला और नेतृत्व क्षमता का शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला-2025 में नाटक कुसुमवती का सफल निर्देशन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में संपन्न हुआ। कुसुमवती नाटक का लेखन डॉ. पवन नेमा द्वारा किया गया, जिसे डॉ. रश्मि नेमा ने सहज संवादों और हास्यपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। चार कलाकारों द्वारा अभिनीत इस नाटक ने एक ओर जहां मनोरंजन किया, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों से जुड़े गंभीर मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ मंचित किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के मुख्य सभागार में किया गया। डॉ. बी. पुष्पलता के आदेश अनुसार संपन्न इस नाट्य प्रस्तुति में डॉ. पूजा दाधीच, डॉ. यशोदा कंवर, डॉ. पूजा मंगल, और डॉ. चंपा पटेल सहित अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त चिकित्सकों ने सजीव अभिनय किया।विशेष उल्लेखनीय है कि यह पहली बार था जब ह्ढ्ढ की शैक्षणिक गतिविधियों में रोल प्ले (नाट्य प्रस्तुति) को औपचारिक रूप से शामिल किया गया।

नाले की बदबू व गंदगी से उत्पन मच्छरों से परेशान रहवासी

परासिया। विधानसभा क्षेत्र से जिले के सक्रिय समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने बताया कि स्टेशन रोड पर एक नाला बहता है जो कि परासिया शहर के हृदय स्थल से वार्ड क्रमांक 9,10, 11 से होता हुआ बह रहा है। लेकिन नगर पालिका वार्ड नंबर 9 के इस नाले में गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिससे इतनी ज्यादा दुर्गंध आ रही है कि आसपास रहने वाले निवासी परेशान हो रहे हैं मच्छरों के प्रकोप से किसी बड़ी बीमारी फैलने का अंदेशा भय बना हुआ है। यह नाला मैं इतनी अधिक गंदगी एवं कचरा मलवे का भंडार होने के कारण बारिश के दिनों में यह नाला से लोगों के घरो में इसका गडर गंदगी का गंदा पानी घुसता है जिससे विगत तीन-चार वर्षो से यहाँ रह रहे रहवासी परेशान हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया की नगर पालिका परासिया अध्यक्ष से पांच बार हाथ जोड़कर निवेदन किया कि इस नाले का तत्काल पूर्ण रूप से सफाई करवाये किन्तु अभी तक अध्यक्ष महोदय ने स्टेशन रोड के इस नाले को ओर ध्यान नही दिये तो दिन सोमवार को वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद अनुज पाटकर, एवं वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद पवन सूर्यवंशी व वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद आशीष जायसवाल सभी ने आकर नाले का निरीक्षण किया है और कहां है दो दिनों के भीतर यदि नाला साफ नहीं हुआ तो तीनों पार्षद एवं रहवासी गण मिलकर के नाले की सफाई अपने हाथों से करेंगे और यहां का कचरा गंदगी कों परासिया नगर पालिका के सामने लाकर के डालेंगे।

छत्तीसगढ़ की पूर्व राज्यपाल की शिकायत पर....

महामंडलेश्वर बाबा अजय रामदास वर्मा धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। छत्तीसगढ़ पुलिस ने महामंडलेश्वर बाबा अजय रामदास वर्मा को धोखाधड़ी के आरोप में छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया है। कुंभ मेले में महामंडलेश्वर की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त करने वाले बाबा अजय रामदास वर्मा अब गंभीर आरोपों के घेरे में आ गए हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस ने सोमवार को धोखाधड़ी (ढ्ढक्क की धारा 420) के एक पुराने मामले में उन्हें छिंदवाड़ा कोतवाली पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है।कोतवाली थाना प्रभारी उमेश गोलहानी ने बताया कि बाबा अजय रामदास के खिलाफ लंबे समय से ढ्ढक्क की धारा 420 के तहत मामला दर्ज था। छत्तीसगढ़ की तत्कालीन राज्यपाल अनुसुइया उइके द्वारा की गई शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि छत्तीसगढ़ में उनके खिलाफ वर्ष 2019 से विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई है। छिंदवाड़ा में भी उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज होने की संभावना है।

धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्र में मजबूत पकड़

बाबा अजय रामदास वर्मा ने कुंभ मेले में महामंडलेश्वर की उपाधि हासिल कर धार्मिक जगत में एक प्रतिष्ठित स्थान बनाया था। उन्होंने चौरई क्षेत्र में एक भव्य धार्मिक आयोजन भी करवाया था, जिसमें जगदुरु रामभद्राचार्य के नेतृत्व में कथा का आयोजन हुआ था। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें क्षेत्रीय धार्मिक और राजनीतिक हलकों में खासा प्रसिद्धि मिली थी।

चुनावी राजनीति में भी आजमाया था किस्मत

विधानसभा चुनाव के दौरान जगदुरु रामभद्राचार्य ने अजय रामदास के लिए राजनीतिक पार्टी से टिकट दिलाने का प्रयास भी किया था, हालांकि यह प्रयास सफल नहीं हो सका। बावजूद इसके, बाबा अजय रामदास वर्मा ने क्षेत्र में अपनी धार्मिक और राजनीतिक पहचान मजबूत कर ली थी।

शैलेश चौरसिया बने जन परिषद के राष्ट्रीय सचिव

छिंदवाड़ा। अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के प्रांतीय सचिव एवं पत्रकार गोविंद चौरसिया की अनुशंसा पर अग्रणी व्यवसायी एवं समाजसेवक शैलेश चौरसिया को जबलपुर संभाग के प्रभारी के साथ साथ जन परिषद का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है ।संस्था के संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव के अनुसार जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक एवं गैरराजनीतिक संस्था है, जो कि गत 36 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है।संस्थावीजा पर्यावरण पर ग्यारह अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था के इस समय पूरे देश में 275 एवम् विदेशो में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एव् राष्ट्रीय दृष्टिकोण है। श्री चौरसिया अखिल भारतीय चौरसिया समाज कोलकता के कार्यकारी अध्यक्ष है एवं महाकौशल चौरसिया समाज जबलपुर में विशेष रूप से सक्रिय भागीदारी निभाते है वे बिल्डर्स एसोशिएशन आफ इण्डिया के स्टेट चेयर मेन है एवं एस कुमार ग्रुप जबलपुर के सी.एम.डी है।

राज्य स्तरीय भारिया सम्मेलन तामिया के छिंदी में प्रस्तावित

कलेक्टर ने ली समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय भारिया सम्मेलन जून के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित

लेक्टर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की उपस्थित में जून के प्रथम सप्ताह में तामिया के छिंदी क्षेत्र में राज्य स्तरीय भारिया सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत सभी संबंधित विभागों को तैयारियां प्रारंभ करने और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

विभागीय नवाचारों और उपलब्धियों की भूरि-भूरि सराहना

बैठक में कलेक्टर सिंह ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों के लिए सभी अधिकारियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से छिंदवाड़ा जिले ने प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है।

सराहनीय उपलब्धियां जिन्होंने छिंदवाड़ा को दिलाई नई पहचान

स्वच्छ भारत मिशन के तहत वॉश ऑन व्हील्स नवाचार- जिले में %वॉश ऑन व्हील्स नवाचार की शुरुआत की गई, जिसमें चलित वाहन के माध्यम से सार्वजनिक शौचालयों की सफाई की जाती है। इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है और कई जिलों द्वारा इसे अनुकरणीय मॉडल के रूप में अपनाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का उत्कृष्ट प्रदर्शन- स्वास्थ्य विभाग के निरंतर प्रयासों से सुरक्षित मातृत्व अभियान के बेहतर क्रियान्वयन से जिले में मातृ मृत्यु दर में विगत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय कमी आई है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि का प्रमाण है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष बधाई दी गई। शैक्षणिक क्षेत्र में उपलब्धियाँ- सरकारी स्कूलों में जेईई और नीट की निःशुल्क विशेष कक्षाओं का सफल संचालन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष जिले के सरकारी स्कूलों के कुल 127 विद्यार्थी जेईई परीक्षा में 50 प्रतिशत से अधिक परसेंटाइल से उत्तीर्ण हुए हैं, जिससे उन्हें आसानी से किसी भी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिल जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि भविष्य में भी इन कक्षाओं का संचालन निरंतर जारी रहे, ताकि और अधिक विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकें। महिला स्व-सहायता समूहों का नवाचार- पातालकोट क्षेत्र के स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए महुआ कुकीज, महुआ लड्डू, कुटकी कुकीज, महुआ मिलेट कुकीज, चिरौंजी मिलेट्स उत्पाद, हर्बल गुलाल और प्राकृतिक शहद जैसे उत्पादों को बाजार में अच्छी पहचान मिल रही है। कलेक्टर ने इस नवाचार को ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक मजबूत कदम बताया।

मधुमेह लाइलाज बीमारी नहीं, जीवन शैली में सुधार कर मधुमेह से बचा जा सकता है: गाड़गे

11 वर्षीय आदिवासी बच्ची का 1 माह इंसुलिन का खर्चा वैश्य महासम्मेलन उठायेगा

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में वृहद शुगर जांच शिविर एवं सेमिनार में मधुमेह दिवस पर विश्व की सबसे बड़ी डायबिटिक हेल्थ स्क्रीनिंग में प्रोग्राम आयोजित करने के लिए गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाले देश के प्रसिद्ध एम.डी.डी. डायबिटोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रदीप गाड़गे, मुंबई का मधुमेह जागरूकता निःशुल्क सेमिनार वैश्य महासम्मेलन प्रदेश महामंत्री संगठन के नेतृत्व में रानी कोठी में संपन्न हुआ जहां डॉ गाड़गे द्वारा लोगों की शंका का समुचित समाधान किया। उन्होंने बताया कि व्यवस्थित दिनचर्या व उचित खानपान द्वारा मधुमेह का उपचार किया जा सकता है। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य मधुमेह के प्रति व्याप्त भय को समाप्त करना था। सेमिनार पूर्व 81 पंजीकृत मरीजों का उपचार विवांता हॉस्पिटल में किया गया। शिविर की सफलता इस बात से की जा सकती है कि गंभीर रूप डायबिटीज से पीड़ित एक 11 वर्षीय आदिवासी बालिका जिसे टाइप 1 डायबिटीज है उसका पूर्ण परीक्षण किया गया, इस आदिवासी बालिका के 1 माह की इंसुलिन व दवा का खर्च वैश्य महासम्मेलन वहन करेगा।

मंजे के धागे से लटके उल्लू की बचाई जान

छिंदवाड़ा। डेनियल्सन कालेज के परिसर मे दो पेड़ो के बीच मंजे के धागे से फसा एक उल्लू को वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा रेस्क्यू किया गया । उल्लू फसे होने की सूचना कालेज के खेल अधिकारी शरद स्टीफन द्वारा सूचना वन्यजीव अभिरक्षक श्यामल राव को दी गई ,मोके पर पहुंच कर श्री राव ने फोन पर वन विभाग के परिक्षेत्राधिकारी पंकज शर्मा डिप्टी रेंजर राजेश श्रीवास्तव को सूचित किया उस घटना की सूचना पर उनके द्वारा रेस्क्यू टीम भेजकर मंजे से फसे उल्लू को बड़ी मस्सकत के बाद उसे निकाल कर उपचार हेतु पशु चिकित्शालय भेजकर उक्त उल्लू का उपचार कर पुन: कालेज परिसर मे बने निवास स्थल पर छोड़ दिया गया । उक्त उल्लू की जान बचाने मे सहयोग करने वालो मे गोरव स्टीफन,भारत भूषण भुजाडे ,शरद चांदेकर सहित वन कर्मियों का सराहनीय सहयोग रहा ।

सेवा के रूप में आज मनाया जायेगा सांसद बंटी विवेक साहू का जन्मदिन

छिन्दवाड़ा,पांढुर्णा और जिले भर में आयोजित किये जायेगें विभिन्न सेवाभावी कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू का जन्मदिन मंगलवार को सेवा कार्यो के रूप में मनाया जायेगा। जिसके तहत छिन्दवाड़ा शहर सहित पांढुर्णा और दोनों जिलों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न सेवाभावी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सांसद श्री साहू मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जिसके तहत वे सुबह 11 बजे आधार फाउंडेशन पोआमा में दिव्यांग बच्चों से मुलाकात करते हुए केक काटेंगे एवं बच्चों को मिष्ठान और भोजन वितरित करेंगे, इस दौरान यहा पर दंत रोग शिविर भी लगाया जायेगा। सुबह 11:15 बजे शहर के वार्ड क्रमांक 45 की आंगनवाड़ी में बच्चों को उपहार देकर पानी की केन भी प्रदान करेंगे। सुबह 11:30 बजे प्रियदर्शनी कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से भेंट कर उनका आर्शीवाद लेंगे एवं उन्हें भोजन वितरित करेंगे। दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेड कार्यालय के सामने मैदान में पानी की टेंकरों का वितरण करेंगे। दोपहर 1:15 बजे सांसद कार्यालय में 100 आंगनवाड़ियों की कार्यकर्ताओं को पंखे वितरित करेंगे। दोपहर 1:30 बजे से शाम 6 बजे तक सांसद कार्यालय में आमजनों से भेंट करेंगे एवं शाम 7 बजे षष्ठी माता मंदिर छिन्दवाड़ा में पूजन अर्चन कर केक काटेंगे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पुनः आगामी कार्यकाल हेतु समाज अध्यक्षों ने हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष कालू भटट् का बढ़ाया कार्यकाल विधायक ने दी बधाई

आष्टा। पिछले सभी त्यौहारो एवं अन्य पालकी, होली सहित सभी पर्वो को धूमधाम से मनाने पर एवं सनातन समाज में आवाज बुलंद करने वाले अध्यक्ष कालु भटट् को विभिन्न समाज के अध्यक्षो ने हस्ताक्षर कर एक बार पुनः अपनी सहमति प्रदान की हैं, एवं कालु भटट् को फिर आगामी दो साल के लिए हिन्दु उत्सव समिति का अध्यक्ष बनाया।

अध्यक्ष बनाने हेतु सेंधव समाज के अध्यक्ष कुमेरसिंह भाटी, मेवाडा राजपूत समाज के अध्यक्ष जीवनसिंह मंडलोई, राठौर समाज अध्यक्ष विरेन्द्र राठौर, ताम्रकार समाज अध्यक्ष सुधीर मेहलवार, सिंधी समाज के अध्यक्ष सुशील भोजवानी, पाटीदार समाज के अध्यक्ष लखन पाटीदार, नामदेव छिपा समाज अध्यक्ष मुकेश नामदेव, ब्रहाम्ण समाज अध्यक्ष रवि शर्मा, दर्जी समाज अध्यक्ष राजीव पंवार, अग्रवाल समाज अध्यक्ष राजीव गुप्ता, छिपा नामदेव मारवाडी समाज अध्यक्ष मनीष डोंगरे, जाट समाज अध्यक्ष महेश जाट, जांगडा पोरवाल समाज अध्यक्ष सत्यनारायण कामरिया, चौरसिया समाज अध्यक्ष रमेश चौरसिया, प्रजापती समाज अध्यक्ष शिव प्रजापति, श्वेताम्बर जैन समाज अध्यक्ष पवन सुराणा, खाती चन्द्रवंशी समाज अध्यक्ष नारायण भुरू मुकाती, गुजराती सेन समाज अध्यक्ष पवन वर्मा, महेश्वरी समाज अध्यक्ष मनीष धांरवा, जायसवाल समाज अध्यक्ष प्रेम जायसवाल, लोहार पांचाल समाज अध्यक्ष गोपाल पांचाल, श्री गोस्वामी समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश पुरी, किरार समाज अध्यक्ष अचल किरार, नाथ समाज अध्यक्ष अजाबसिंह, साहु समाज अध्यक्ष कमलेश साहु, खटीक समाज अध्यक्ष जगदीश खत्री, दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष आनंद जैन, कोरी समाज अध्यक्ष मोंटी कोरी, लोहापीठा समाज अध्यक्षा मैथी बाई, यादव समाज अध्यक्ष पवन यादव, यादव पंचायत अनील यादव, जांगडा समाज अध्यक्ष अरबिंद रेकवाल, धोबी रजक समाज अध्यक्ष बाबूलाल बिल्लौरे, बैरागी समाज अध्यक्ष मुकेश बैरागी, सुतार विश्वकर्मा समाज अध्यक्ष मनोहर विश्वकर्मा, भोई समाज अध्यक्ष लखन भोई, खण्डेलवाल समाज अध्यक्ष विजय खण्डेलवाल, किर समाज अध्यक्ष मांगीलाल सिसोदिया, विश्वकर्मा समाज अध्यक्ष लखन विश्वकर्मा, बैरागी पंचायत अध्यक्ष डी.डी. बैरागी, निलगिरी खत्री समाज अध्यक्ष सुरेन्द्र खत्री, लोधी समाज अध्यक्ष मुकेश लोधी, बंशकार समाज अध्यक्ष गोपाल उस्ताद, कुशवाह समाज अध्यक्ष संजय कुशवाह, मालवीय प्रजापति समाज अध्यक्ष संजय वर्मा, परमार समाज अध्यक्ष मानसिंह परमार, कायस्थ समाज अध्यक्ष नरेश भैया माथुर, मालवीय बलाई समाज अध्यक्ष दिलिप मालवीय, माली बागवान समाज अध्यक्ष मनोहर बागवान, मालवीय सेन समाज अध्यक्ष चेतन वर्मा आदि सभी समाज अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर कर कालु भटट् को हिन्दु उत्सव समिति का र्निविरोध अध्यक्ष बनाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की एवं बधाई प्रेषित की।

समाज के अध्यक्षों द्वारा पुनः अध्यक्ष बनाने पर कालु भटट् द्वारा सभी का आभार प्रेषित कर सभी को धन्यवाद दिया, ओर कहा कि आपने जिस भरोसे को दिखाकर पुनः मुझे चुना है, मैं आपके भरोसे पर खरा उतरूंगा। इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह जी इंजिनियर साहब एवं नगरपालिक अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाडा ने साफा बांधकर स्वागत किया एवं शुभकामनाऐं प्रदान की। कालु भटट् ने उपस्थित समस्त समाज के अध्यक्षों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार जताया।

लोक अदालत का आयोजन 10 मई को

छिन्दवाड़ा। मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के 25 अप्रैल 2025 के पत्रानुसार 10 मई 2025 शनिवार को विद्युत अधिनियम, 2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये जिले के छिन्दवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर और जुन्नारदेव विद्युत न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड छिंदवाड़ा के कार्यपालन अभियन्ता ने बताया कि म.प्र. शासन उर्जा विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के अंतर्गत लिटिगेशन, प्री-लिटिगेशन के लंबित निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू, सभी कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं के विशेष न्यायालय में दर्ज एवं प्री-लिटीगेशन के प्रकरणों में छूट प्रदान करने के प्रावधान किये है।

सात दिन से हड़ताल पर बैठे संविदा स्वास्थ्यकर्मी

आशा, उषा संघ ने धरना में पहुंचकर दिया समर्थन

मंडला। जिले में 22 अप्रैल से शुरू हुई संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की बेमियादी हडताल के सात दिन के बाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक असर दिखाई देने लगा है।बच्चों के टीकाकरण से लेकर गर्भवती महिलाओं की जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से जिला अस्पताल तक सेवाओं पर असर देखने मिल रहा है।विशेष टीकाकरण अभियान भी बुरी तरह से प्रभावित हो गया है।सोमवार को सातवें दिन आशा उषा-संघ के पदाधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हडताल और मांगो का समर्थन करते हुए शासन से मांगों का निराकरण करने की अपेक्षा की है।

जानकारी के मुताबिक संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की बेमियादी हडताल में जिले के 700 से अधिक संविदा कर्मचारी शामिल है।जिसमें आरबीएसके, नर्सिंग, सीएचओ, बीसीएम, बीपीएम, लेखापाल, आपरेटर, एएनएम,लैब टेक्नीशियन, फार्मासिष्ट, एसटीएस, एसटीएलएस समेत अन्य केडर शामिल है। हडताल पर जाने से संविदा कर्मियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं ठप्प पड गई है।विभाग द्वारा असर ना होने के दावे किये जा रहे है लेकिन हकीकत में स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक असर देखने मिल रहा है।

भटक रहे हितग्राही,एचडब्ल्यूसी से वापस लौट रहीं महिलाएं

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हडताल से जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना के भुगतान लटक गये है।हडताल के पहले से काफी समय से भुगतान नहीं हुए हैं।जिससे हितग्राहियों को दोनों सहायता योजना की राशि नहीं मिल पा रही है।इसके साथ जिले में 311 सीएचओं हडताल पर है।जिससे आरोग्य केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं की जांच नहीं हो पा रही है।महिलाओं को प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाना पड रहा है।आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का काम ठप्प पड गया है।हितग्राहीमूलक योजनाएं पूरी तरह से प्रभावित हो गई हैं।

आशा उषा संघ ने किया समर्थन जिसमें संविदा कर्मियों की हडताल का समर्थन आशा उषा संघ ने किया।अध्यक्ष राधा शर्मा ने बताया कि संविदा कर्मियों की सभी मांग जायज है और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में घोषणा की जा चुकी है।इसमें एनएचएम द्वारा कटौती किया जाना अनुचित है।उन्होंने शासन व एनएचएम से मांग की है कि संविदाकर्मियों की मांगों का निराकरण किया जाये।इस दौरान संगठन से अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रतलाम प्रेस क्लब के निर्वाचन सम्पन्न, गोस्वामी फिर बने अध्यक्ष

सचिव, कोषाध्यक्ष समेत 19 सदस्यीय कार्यकारिणी रोचक चुनावों में बनी विजेता

रतलाम। रतलाम प्रेस क्लब के निर्वाचन हुए जिसमें एक बार फिर से अध्यक्ष के पद पर मुकेशपुरी गोस्वामी काबिज हुए। सचिव पद पर यश शर्मा बंटी निर्विरोध मनोनीत हुए। साथ ही कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सहसचिव समेत कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी जीत हासिल की।

क्लब के चुनाव पॉवर हाउस रोड स्थित रतलाम प्रेस क्लब भवन पर हुए। जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष राजीब ऊबी ने निर्वाचन अधिकारी रूप में निर्वाचन सम्पन्न करवाए। निर्वाचन के पूर्व साधारण सभा का आयोजन भी किया गया। साधारण सभा में आयव्यय पत्रक एवं अध्यक्षीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया 7 सभा को वरिष्ठ सदस्य शरद जोशी, रमेश टांक, दिलीप पाटनी,गोविंद उपाध्याय, राजेश मूणत, राजेश जैन, सुरेन्द्र जैन, नरेंद्र जोशी आदि ने संबोधित किया। इस दौरान वरिष्ठ सदस्य शरद जोशी ने सचिव पद पर यश शर्मा के समर्थन में सर्वानुमति का प्रस्ताव रखा जिसे अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भी समर्थन दिया। सभा में वरिष्ठ सदस्य तुषार कोठारी ने अध्यक्ष पद पर सर्वानुमति से चुनाव तथा भविष्य में केवल अध्यक्ष और सचिव के पद पर ही चुनाव का प्रस्ताव रखा।

निर्वाचन अधिकारी श्री ऊबी के साथ अधिवक्ता मनीष शर्मा, संतोष त्रिपाठी, सांवलिया पाटीदार, जेपी भट्ट, चेतन केलवा, मनीष नाटकर की टीम ने निर्वाचन प्रक्रिया निर्विरोध सम्पन्न करवाई।

ये चुने गए कार्यकारिणी सदस्य: निर्वाचन अधिकारी श्री ऊबी की टीम ने सभी के सामने मत पेटी से निकले मतपत्रों की गणना की। सबसे पहले कार्यकारिणी सदस्यों के लिए गणना की गई। यहां 17 प्रतिभागियों ने निर्वाचन में भाग लिया था। इसमें सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले 11 सदस्यों में दिनेश दवे को 66, किशोर जोशी को 65, सिकंदर पटेल को 62, चंद्रशेखर सोलंकी 61, प्रदीप नागोरा - 58, नीलेश बाफना - 54, विनोद वाधवा - 52, शुभ दशोतर - 48, चैतन्य शर्मा - 47, मानस व्यास - 46 वोट के साथ निर्वाचित हुए। 11वें नम्बर पर राजेश वासनवाल और धरम वर्मा 32-32 लेकर बराबरी पर रहे। इसपर चुनाव अधिकारी ने दोनों के बीच में से एक का चयन करने के लिए गोटी डाली। इसमें धरम वर्मा के नाम पर गोटी निकली और उन्हें विजयी घोषित किया गया।

ये बने पदाधिकारी उपाध्यक्ष के 3 पदों के लिए 5 प्रत्याशी मैदान में थे। इसमें से सौरभ कोठारी 60, सुजीत उपाध्याय 52 और दिलजीत सिंह मान 46 मतों के साथ उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सह सचिव के 2 पदों पर भी 5 लोग मैदान में थे जिनमें से नीरज बरमेचा 52 और हेमंत भट्ट 35 मतों के साथ विजयी हुए।

कोषाध्यक्ष के एक पद पर नीरज शुक्ला और रमेश सोनी के बीच मुकाबला हुआ। इसमें नीरज शुक्ला ने 56 वोटों के साथ जीत हासिल की। सचिव के पद पर यश शर्मा बंटी के अलावा किसी अन्य प्रत्याशी ने सर्वानुमति का प्रस्ताव आने से फार्म ही नहीं भरा। ऐसे में वे पुनः सचिव बने। अध्यक्ष के पद पर मुकेशपुरी गोस्वामी, सुरेंद्र जैन, विजय मीणा, राजेंद्र केलवा में चतुषकोणीय मुकाबला हुआ। इसमें 53 मतों के साथ अध्यक्ष के रूप मुकेशपुरी गोस्वामी दोबारा अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से आनंद पांडे की विशेष बातचीत

समाजसेवा करने के मन से राजनीति में आया

मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल इन आजकल अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडे ने उनसे इसकी वजह पूछी, जिसका उन्होंने खुलकर जवाब दिया। वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडे के साथ विशेष बातचीत में मंत्री पटेल ने पीएम मोदी से लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव, कसक से लेकर कसम और सियासत से लेकर सत्ता तक हर सवाल का बेवाकी से जवाब दिया। मूल्यों की राजनीति और स्वाभिमान की जंग के बीच प्रहलाद सिंह पटेल ने व्यवस्था की खामियों पर तीखे सवाल किए, साथ ही सुधार की उम्मीद भी जगाई। विशेष बातचीत में उन्होंने नर्मदा के संरक्षण से लेकर युवाओं के स्वावलंबन तक और राजनीति में नैतिकता से लेकर सत्ता के वैभव के खतरे तक हर मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद से हुए मनमुटाव की दास्तां भी साझा की। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ समन्वय पर उन्होंने कहा कि मैं उनकी कैनिबेट का सदस्य हूं। वित्तीय मामलों की जानकारी लेना मंत्रिपरिषद के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है और मुख्यमंत्री जी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। मैं मानता हूं कि वो ठीक दिशा में काम कर रहे हैं। परिश्रम वो कर रहे हैं, ये सारा राज्य देख रहा है।

सवाल- प्रहलाद सिंह पटेल को गुस्सा क्यों आता है? क्या ये व्यवस्था को लेकर आपकी नाराजगी है, आपकी बेचारगी है या राजनीति में जो मुकाम आप हासिल करना चाहते थे, वो नहीं मिल पा रहा तो उसकी छटपटाहट है?

जवाब- कुछ चीजों पर आपको गुस्सा आना ही चाहिए। हर कदम पर आप मूल्यों की बात नहीं कर सकते, लेकिन जहां मूल्यों की, अच्छे काम की आप अपेक्षा करते हैं और वहां चीजें गड़बड़ाती हैं और वहां चेतावनी और समझाने के बाद भी यदि गलती होती है तो गुस्से का पहला स्टेज यह है कि आपने रिएक्ट कर दिया। दूसरा यह है कि कोई सरकारी मुलाजिम है तो कार्रवाई कर दी। तीसरी बात है कि आप उसके पीछे इतिहास खंगालते हैं और आगे के रास्ते पर बढ़ते हैं। खास यह है कि यदि आप सार्वजनिक जीवन के लोगों से बात करते हैं तो आप उन्हें समझाते हैं और डांटते भी हैं। मुझे लगता है कि जिस टीम से आपको काम लेना है, जरूरी है कि उसे बौद्धिक समझ दी जाए और उसके बाद भी यदि वह सहयोग नहीं कर पा रहा है तो मुझे लगता है कि वह आगे चलने लायक नहीं है। ऐसी ही घटनाएं होती हैं, जो परसेप्शन के रूप में बाहर आती हैं। जब मैं ये दो बातें कहता हूं तो दोनों लोग शामिल हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी और दूसरे में स्वजातीय बंधु। मुझे लगता है कि किसी भी समाज को स्वाभिमान से दूर रखने की सलाह देना या लाभ ही कमाइए...सिर्फ यह कहना, इसी लालच ने तो हमारा कबाड़ा कर दिया है। हमारी जो बारहमासी नदियां थीं, आज वो सूखी हैं। जंगल कट रहे हैं, इसमें चंद लोगों को लाभ हुआ होगा, लेकिन आने वाली पीढ़ी का कितना बड़ा नुकसान है। जल, जंगल और जीवन का सरोकार मनुष्य से है। मैं मानता हूं कि नर्मदा पर संकट आना, मतलब राज्य पर संकट आना है।

सवाल- देश में चंद नेता हैं, जिन्होंने नर्मदा परिक्रमा की है, लेकिन हम ढाई दशक से देख रहे हैं कि नर्मदा में अवैध उत्खनन कैसे रुकेगा?

जवाब- देखिए, ये विरोधाभासी चीजें हैं। इसे स्वीकार करने में कोई लज्जा नहीं आनी चाहिए। आज नरसिंहपुर जिले में माइनिंग बंद हो गई है, लेकिन बाद में किसी कोने में शुरू हो गई। यदि आप चाहें कि बंद कर सकते हैं तो बंद की जानी चाहिए, लेकिन विकल्प भी तय कीजिए। अराजकता की छूट किसी को नहीं दी जानी चाहिए। खासकर नर्मदा को लेकर तो सख्त कदम नहीं उठाए जाएंगे तो वे तमाम लोग भागीदार होंगे, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कहीं भी उसके साथ जुड़े हैं। एक समय मैंने ही कहा था कि पीडब्ल्यूडी में नर्मदा सेंड का जिक्र है, आप उसे डिलीट कर दीजिए। नर्मदा सेंड की अनिवार्यता क्यों है? अब तो कई तरह से रेत बनने लगी है। अब ऐसे बदलाव करने का समय आ गया है। नर्मदा को दूसरी सहायक नदियां ताकत देती हैं। अभी हमारे पास वक्त है, छोटी नदियों के उद्गम से लेकर उनके लिए काम करें, ताकि वे बारहमासी हो जाएं।

सवाल- हमारे देश में राजनीति का जो मौजूदा दौर चल रहा है, उसमें नेता या तो ड्रॉइंग रूम में बैठकर राजनीति कर रहा है या सोशल मीडिया पर राजनीति चल रही है। हम ऐसे लोगों को खड़े नहीं कर पा रहे हैं, जो नेता लीडर बनने की काबिलियत रखते हों। जिन्हें समाज फॉलो करे?

जवाब- मुझे लगता है मूल्यांकन करना चौथे स्तंभ का काम है। आप क्या सोचते हैं? क्या परसेप्शन है, लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि अभी भी समाज में काम करने वाले लोग हैं। पूरी व्यवस्था को सड़ी गली बताना अतिश्योक्ति है। इक्का-दुक्का ऐसे लोग हैं, जो हमें निराश करते हैं। इतने बड़े तंत्र में कुछ खामियां हो सकती हैं। अच्छे काम करने वाले लोग यदि सक्रिय बने रहें, मेरी यही कोशिश है।

सवाल- किसी राज्य का, किसी देश का तब तक भला नहीं हो सकता, जब तक या तो दार्शनिक राजा बन जाए, या राजा दर्शन शास्त्र पढ़ ले, आपकी क्या राय है?

जवाब- नहीं, इसमें सबकी अलग राय रही है। लोहिया जी ने कुछ और कहा है, लेकिन दीनदयाल उपाध्याय जी का मुझे पता है। वे कहते थे कि यदि किसी भी सामाजिक कार्यकर्ता के भीतर आध्यात्मिकता है तो फिर समाज और राष्ट्र का निश्चित रूप से भला होगा।

सवाल- राममनोहर लोहिया जी कहते थे कि व्यक्ति भ्रष्ट नहीं होता, सत्ता का वैभव उसे भ्रष्ट कर देता है... आप करीब पांच दशक से राजनीति में हैं। उनके इस कथन से आप कितने सहमत हैं।?

जवाब- मैं सौ फीसदी सहमत हूं और मैं अटल जी की बात को कोट कर रहा हूं...वे नए और पुराने सांसदों से कहते थे कि ये दिल्ली मायानगरी है। यहां दाम सबके तय हैं। आपको बिकना है या नहीं बिकना है, यह आपको तय करना है। यहां प्रश्न लगाने के पैसे मिलते हैं, प्रश्न वापस करने के पैसे मिलते हैं। प्रश्न में अनुपस्थित होने के पैसे मिलते हैं, तो ये आपको तय करना है। अटल जी जैसे लोग हमेशा कहते रहे। हमारे शास्त्र भी कहते हैं कि किसी का तप भ्रष्ट करना हो तो उसे सत्ता दे दो। लोहिया जी ने सही कहा है। वे समाजवादी थे, लेकिन वे भारतीय समाजवाद के प्रणेता थे।

सवाल- पूरे देश के युवा के सामने सबसे बड़ी समस्या रोजगार को लेकर है? आपके पास पंचायत और ग्रामीण विकास जैसे विभाग हैं, तो आपके पास क्या विजन है, जिससे उनके लिए रोजगार का निर्माण हो सके?

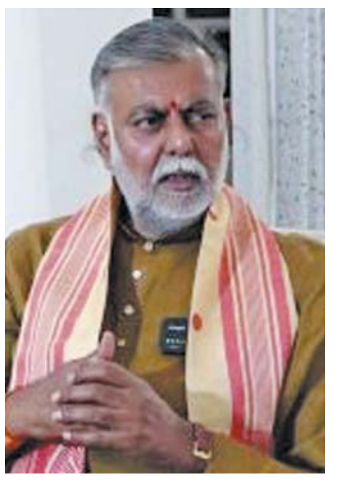

जवाब- मुझे लगता है कि नेताओं को विलेन की तरह देखने की आदत पड़ गई है। जिसको जो मर्जी आए, वो कहता है। मैं अपना उदाहरण देता हूं। मैं कॉलेज से निकला तो रोजगार का संकट हमारे सामने भी था। हम किसी राजा के यहां पैदा नहीं हुए। एक मध्यम वर्गीय किसान परिवार से आते हैं। बड़े भैया नौकरी करने लगे, छोटे भाई खेती करते थे और हम पूरी तरह से खर्चा करते थे, लेकिन मैंने उस समय स्टेट पीएससी दी थी और तब डीएसपी की कैटेगिरी होती थी तो उसमें रिटर्न टेस्ट में पास भी हो गया, लेकिन मेरा मन था कि नौकरी नहीं करूंगा, क्योंकि मुझे सरकार से इतनी नाराजगी थी कि सरकार से लड़ना है, तब तो भविष्य में नहीं था कि मैं सांसद बनूंगा, विधायक बनूंगा। जिस जगह मैं पैदा हुआ, वहां मैं पार्षद नहीं बन सकता था, क्योंकि मेरे पिता ही मेरे विरोध में थे। ऐसी स्थिति में भी जब आप कोई फैसला करते हो, तो रोजगार का मतलब क्या है। मेरे हिसाब से रोजगार का मतलब स्वाबलंबन है। आप सरकारी नौकरी को जब रोजगार मानकर परिभाषित करेंगे तो फिर संकट खड़ा है और दूसरा फिर जो आपकी क्षमता नहीं है, वो आपको चाहिए, भले वो पैसे से मिल जाए, चाहे वो बाकी जगह से मिल जाए। मैं नौजवानों से कहूंगा कि मांगने के बजाय पहले अपना फैसला करो कि आप किस योग्य हो। आप करना क्या चाहते हो? सरकारी नौकरी की जिद क्यों है, क्योंकि आप ऐसी पढ़ाई करके आपने नेचर बना लिया है कि अब पेंट शर्ट पहन लिए, मैं बाबूजी बन जाउं, तो मैं खेत में काम कैसे करूंगा। मेरा कहना है कि यदि आपको अपने परिवार के काम से शर्म आ रही है तो भगवान भी यदि सामने आ जाएं तो आपका भला नहीं कर सकते।

सवाल- प्रदेश में महिलाओं को पचास फीसदी आरक्षण दिया गया है, लेकिन उसका जो फायदा महिलाओं तक पहुंचना चाहिए, वो नहीं हो रहा। गांवों में, पंचायतों में महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति, बच्चे काम कर रहे हैं? इसे रोकने के लिए क्या प्लान है?

जवाब- मैं पहले की बात नहीं करता, लेकिन मेरे बनने के बाद स्पष्ट रूप से कहा है कि किसी सरपंच, जनपद, जिला पंचायत अध्यक्ष का प्रतिनिधि नहीं होगा। मैंने तीन दिन की यहां चिंतन बैठक ली थी। एक भी आदमी को एंट्री नहीं मिली और वो मैसेज गया। लेकिन कहीं पंचायतों में बिलकुल ऐसी परिस्थिति होगी, मैं उसे इनकार नहीं करता। मैंने बुंदेलखंड में दस साल राजनीति की है, वहां तो ठेके पर पंचायतें चलती थीं, लेकिन जब आप महिलाओं को ट्रेनिंग ही नहीं दिलाएंगे तो कैसे चलेगा। पंच, सरपंच के प्रशिक्षण में लोग जाते नहीं हैं, जबकि सरकार पूरा खर्च उठाती है। यदि आप जाएंगे नहीं तो आप मानकर चलिए वो गुणवत्ता आने वाली नहीं है। इसका दूसरा पक्ष भी है कि इन बातों के खिलाफ अब लोग खड़े होने लगे हैं।

सवाल- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आपके समन्वय को लेकर पहले बहुत सारी बातें हुईं, दूसरा आपको क्या लगता है कि जिस लक्ष्य के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी, क्या वो उस दिशा में काम कर पा रहे हैं?

जवाब- कब, कहां और कौन क्या सोच लेता है, इसकी मैं कभी चिंता करता नहीं हूं। एक बात बड़ी साफ है कि मोहन जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। उनकी शपथ में हम भी शामिल थे। उनके निर्णय में भी हम शामिल थे। मैं उनकी कैबिनेट का सदस्य हूं। जब तक मैं उनकी कैबिनेट का सदस्य हूं, तब तक मेरी ईमानदारी पर कभी कोई शंका नहीं कर सकता। मेरी कार्यप्रणाली और मेरा रक्त है ऐसा। और यदि मैं कभी कोई बात पूछता हूं तो मेरा निजी लाभ कभी कुछ नहीं होता। मैं अटल जी का पट्ठा हूं। उन्होंने मुझसे कहा था कि यदि आर्थिक मामले आएं तो एक बार जरूर पढ़ना और समझना चाहिए कि ये समाज के भले और बुरे का सवाल है। मुझे लगता है कि वित्तीय मामलों के अलावा और किसी मामले में मैं कभी नहीं बोला हूं। वित्तीय मामलों की जानकारी लेना मंत्रिपरिषद के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है और मुख्यमंत्री जी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। मैं मानता हूं कि वो ठीक दिशा में काम कर रहे हैं। परिश्रम वो कर रहे हैं, ये सारा राज्य देख रहा है।

सवाल- स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी से आपकी लंबे समय तक अदावत रही, फिर बाद में आपने उनसे आशीर्वाद लिया? क्या घटनाक्रम था वो असल में?

जवाब- क्षत्रिय होने के नाते मेरे पिताजी उनके शिष्य थे और बचपन में हमने भी उनसे गुरु मंत्र लिया। मैं सवाल करता था और वे उत्तर भी देते थे। बात भी मेरी मानते थे। जब एक बार श्री बाबाश्री जी ने मुझसे कहा कि स्वामी जी से मिलना है। मैंने उन्हें मना किया कि आप मत जाइए, क्योंकि वहां जो चौकड़ी है, वो ऐसी नहीं है। वे नहीं माने। बोले, मेरा धर्म है, जो मुझे माई ने दिया है। गए, वहां सत्संग हुआ। तो उन्होंने कहा कि मेरी भागवत है, आप वहां आकर प्रवचन कर दो। श्री बाबाश्री जी का स्वभाव बड़ा वैसा था। उन्होंने कहा? कि ये मेरा काम ही नहीं है। आचार्य आप, प्रवचनकर्ता आप, मेरा मंच पर क्या काम है। कुछ और भी बातें हुईं और हम उठकर आ गए। श्री बाबाश्री जी ने मुझसे कहा...अंदाजा उनकी बातों से हो गया। तो उन्होंने कहा कि यदि काल भी सामने आए तो डरना मत, इतनी हिम्मत है। तो मैंने कहा हां। चीजें शुरू हो गईं। आश्रम से फिर वो दुष्प्रचार शुरू हुआ। शुरुआत जब वहां से हुई तो हमें सामने आना पड़ा। सामने आए तो पत्राचार शुरू हो गए। फिर नरबलि का आरोप लग गया। हम परिक्रमा में थे, जितने षड्यंत्र हो सकते थे, वे सब हुए। इस बीच मुझे बुरे से बुरे अनुभव मिले, लेकिन धीरज नहीं टूटा। बाद में चीजें बदल गईं। उसी बीच मैं फिर सांसद बन गया। मंत्री बन गया, लेकिन ये सब खत्म हो गया।

हमारी निष्ठा बहुत थी, लेकिन पिताजी भी उसके बाद से फिर भी परमहंसी नहीं गए। फिर एक बार मां ने कहा कि हमें जाना चाहिए। हम सब बैठे और तय किया कि आज हम सब समर्थ हैं और स्वामी जी अस्वस्थ हैं। तो पिताजी के साथ हम परमहंसी गए। स्वामी जी ने भी दृष्टि खोली। उस दिन के बाद से वे बोले नहीं। मुझे याद है कि विवाद के समय भी जब वे कहीं दूर होते थे तो मैं घुटने टेकर उन्हें प्रणाम करता था और दूर से ही निकल जाता था, क्योंकि मैं उनसे दीक्षित था। बाद में हमारा जाना हुआ। सबको प्रसन्नता हुई। बाद में जब उनकी समाधि हुई तो सारे संन्यासियों के बीच में अकेला मैं ही गृहस्थ था, जो समाधि में भीतर था।

सवाल- स्वरूपानंद जी दिग्विजय सिंह के भी गुरु थे। दिग्विजय सिंह जी की सनातन पर जो टिप्पणियां होती है, उन पर आप क्या कहेंगे?

सवाल- आप अटल जी के भी मंत्री रहे, मोदी जी के भी मंत्री रहे और अब मोहन जी के मंत्री हैं, इसके बाद भी आपके जीवन में कोई कसक रही हो? जो काम आप नहीं कर पाए?

जवाब- मैं महत्वाकांक्षी नहीं हूं। मैं राजनीति में आया था तो समाजसेवा के मन से आया था। अन्याय का प्रतिकार करना हमारा स्लोगन था। मौत से तो मैं डरा नहीं। छात्र राजनीति से अब तक मुझ पर रणछोर का आरोप नहीं लग सकता। मैंने कभी परिणाम की चिंता की होती तो मैं ऐसे पागलपन के काम नहीं करता। इसलिए मुझे कभी कोई रंज नहीं है कि ये नहीं कर पाया, वो नहीं कर पाया। मैं हमेशा मानता हूं कि अगली पीढ़ी के लिए स्थान रिक्त कर देना चाहिए। आज भी मैं उसी मत का हूं। इसलिए लोकसभा चुनाव के आठ महीने पहले ही मैंने कह दिया था कि अगला चुनाव नहीं लड़ूंगा। विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी मुझे कहेगी, इसका अंदाजा बिलकुल नहीं था। मुझे कोई गिला शिकवा नहीं है। मैं श्री बाबाश्री के आदेश के अनुसार नशामुक्ति का, समाज के काम करता हूं। जीवन को उसी आधार पर जीता हूं। ये मेरी एक अलग दुनिया है। नर्मदा के बारे में मेरा नेतागिरी का भाव नहीं है। एक सेवक का भाव है, इसलिए सरकार के खिलाफ बोलना पड़े तो बोलूंगा। किसी भी ताकतवर आदमी के खिलाफ कहना पड़े तो कहूंगा। नर्मदा को जो नुकसान पहुंचाएगा, उसके खिलाफ बोलूंगा।

सवाल- आप कह रहे हैं कि अगली पीढ़ी के लिए जगह रिक्त कर देना चाहिए, पर अभी तो आपके पास वक्त है, क्योंकि भाजपा तो 75 साल में रिटायरमेंट की बात करती है?

जवाब- देखो समय के पहले जवान हो गए तो समय के पहले अपने आप को बूढ़ा मान लेना चाहिए। और बूढ़ा होने का मतलब आप अशक्त नहीं हुए हैं। रिटायरमेंट का मतलब आप निष्क्रिय नहीं हो रहे हैं। निष्क्रिय नहीं होना चाहिए, लेकिन पद पर बने रहना, ये छोड़ देना चाहिए।

सवाल- उमा भारती के आप बहुत नजदीक रहे, उनके परिवार के सदस्य थे? वे जो अभी कर रही हैं, क्या आपको लगमा है कि वे अब नैपथ्य में चली गई हैं और उनकी राजनीति खत्म हो गई? चर्चा में बने रहने के लिए वे ये सब करती हैं?

जवाब- उमा जी बहुत बड़ी नेता हैं। मैंने उन्हें वचन दिया है कि उनके बारे में जीवन में कभी नहीं बोलूंगा। मैंने उमा जी पर कभी टिप्पणी नहीं की। वे बहुत प्रखर नेता हैं, उनका विजन बड़ा है। उन्होंने अपना रास्ता तय किया है। उसका जवाब उमा जी ही देंगी। मैंने तय किया है कि इस जनम मैं उमा जी के बारे में कभी कुछ नहीं बोलूंगा।

सवाल- आप यदि राजनीति में नहीं होते तो क्या कर रहे होते?

जवाब- अच्छा शिक्षक होता।

सवाल- पंचायत शब्द सुनते ही आपके मन में पहला ख्याल क्या आता है?

जवाब- जैसा हम परिवार के बारे में सोचते हैं, वैसा ही हम समाज के बारे में सोचें।

सवाल- यदि आपको एक दिन आम सरपंच की तरह जीने का मौका मिले तो आप सबसे पहले क्या करेंगे?

जवाब- मैं दायित्वों की बात करूंगा, अधिकारों की बात बिलकुल नहीं करूंगा।

सवाल- आप मौजूदा मोहन सरकार को सौ में से कितने अंक देंगे?

जवाब- मैं कैबिनेट मंत्री हूं। कोई मुझे फेल भी कर सकता है, लेकिन मैं उन्हें पूर्ण सफल कहूंगा।

सवाल- अभी तक के राजनीतिक जीवन में कोई एक बात जो आप बदलना चाहें?

जवाब- हां, जीवन में क्रोध के कारण मुझसे गलतियां हुई हैं, लेकिन अब उन्हें बदलना संभव नहीं है।

सवाल- एक ऐसा फैसला जो मंत्री बनने के बाद आपको सबसे कठिन लगा?

जवाब- मुझे कभी नहीं लगा। मैं चुनौतियों से लड़ने का आदी हूं, खराब से खराब काम मुझे दीजिए, मैं करके बताऊंगा।

सवाल- आपके मौजूदा मंत्रालय का कोई ऐसा प्रोजेक्ट जिसे आप दिल से अपना मानते हैं?

जवाब- मैं चाहता हूं कि मेरे रहते मध्यप्रदेश ये कहने की स्थिति में हो कि मेरी कोई भी पंचायत भवन विहीन नहीं है। पंचायतों को मैं स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर देखना चाहता हूं।

शादी के लिए खरीदारी, सजाना है दूल्हा-दुल्हन को

भोपाल। कल अक्षय तृतीया है, माना जाता है कि इस दिन बिना मुहूर्त के भी शादी हो जाती है जो शुभ मानी जाती है। लोग शादियों की तैयारी में लगे हैं। बाजार में खरीदारी की जा रही है।

एमपी में 2 मई तक बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी, 2 मई तक बारिश का अलर्ट है। पूर्वी और दक्षिणी हिस्से जैसे-नर्मदापुरम, रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को पूर्वी हिस्से के 6 जिलों में बारिश हो सकती है। इनमें शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इधर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग में गर्मी का असर तेज रह सकता है। भोपाल, इंदौर संभाग के शहरों में भी पारा 42 डिग्री के आसपास ही रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, दो टर्फ एक्टिव है। इस वजह से सोमवार को कई जिलों में बारिश का दौर रहा। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा। यहां गरज-चमक के साथ तेज आंधी भी चल सकती है। 1-2 मई को भी नए सिस्टम की वजह से बारिश होने के आसार है।

50-50 मॉडल पर होगा भेल की खाली जमीन का उपयोग, केंद्र राज्य सरकार में बनी सहमति

भोपाल में बीएचईएल की खाली जमीन को लेकर बड़ा फैसला

भोपाल। बीएचईएल की खाली जमीन को लेकर बड़ा फैसला हुआ है। सीएम मोहन यादव ने भोपाल शहर के विकास को लेकर की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि बीएचईएल की जमीन का उपयोग 50-50 मॉडल पर किया जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच सहमति बन गई है।1962 से 1967 के बीच भेल कारखाने के लिए 6 हजार एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसमें से करीब 2 हजार एकड़ (लगभग 810 हेक्टेयर) जमीन अब तक खाली पड़ी है। इस जमीन पर लगातार अतिक्रमण हो रहा है। भेल की करीब 765 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण है। इसमें से करीब 700 एकड़ जमीन पर निजी व्यक्ति खेती कर रहे हैं। बीएचईएल के 3500 कर्मचारियों में से करीब 2 हजार भेल टाउनशिप में रहते हैं। कर्मचारी और उनके परिवारों को मिलाकर आबादी करीब 10 हजार से ज्यादा होती है। यह आबादी भी पहले से काफी बढ़ चुकी है।

महापौर हेल्पलाइन, 155304, मालती राय ने लाभार्थियों से फीडबैक लिया

भोपाल। महापौर मालती राय ने स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर सभी समस्याओं को हल करने हेतु आदेशित किया। महापौर मालती राय हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के प्रति काफी गंभीर रहती हैं। वो हमेशा ही चाहती हैं कि शिकायतों का समय सीमा और उचित निराकरण होना चाहिए। इसी मंशा से उन्होंने महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर फीड बैक प्राप्त किया।